Finish 190 x 260 mm

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अगस्त २०१९ • वर्ष ७० • अंक ०८

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

२८ जुलाई २०१९, विशाखापट्टनम् : आन्ध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पुनर्गठन के बाद आयोजित शपथग्रहण समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं आन्ध्र प्रदेश सम्मेलन के सदस्यों के साथ नवनिर्वाचित प्रादेशिक अध्यक्ष श्री चांदमल अग्रवाल (पगड़ी पहने हुए)।

राष्ट्र के ७३वें स्थापना दिवस के अवसर पर सम्मेलन के केन्द्रीय प्रशासनिक कार्यालय (डकबैक हाउस, कोलकाता) के समक्ष सम्मेलन के पदाधिकारियों-सदस्यों के साथ झंडोत्तोलन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ।

इस अंक में –

- सम्पादकीय : अतीत के गौरव को पुनः प्राप्त करना स्वतंत्रता का ध्येय हो
- अध्यक्षीय : पूरे दक्षिण भारत में सम्मेलन का सशक्त पदक्षेप
- रपट - साधारण वार्षिक सभा
- रपट - स्वतंत्रता दिवस समारोह
- प्रांतीय समाचार - आंध्र, पश्चिम बंग, झारखंड
- समाचार सार
- विशेष : गिरिडीह के केडिया बंधु
- कविता: ताऊ शेखावाटी
- कहानी: राजेन्द्र जोशी
- नये सदस्य

LINC
Think it. Linc it.
pentonic
born
of
black
pentonic™
Write the future
Begin a statement that moves the nation.
Gift tomorrow's generation a new set
of words to remember.
Start an idea that inspires and
challenges the future.
Emerge with the boldness of black.
₹10 per U

RUPA
FRONTLINE
PREMIUM INNERWEAR
INDIA'S FIRST
ANTI BACTERIAL
PERFUMED VEST
PRODUCT CODE
HUNK Vest
#72P
FRONTLINE
बैक्टीरिया रोधक
सुगंधित बनियान
PERFUMED VEST
TREATED IN ANTIBACTERIAL MICRO CAPSULE
HIGH QUALITY COTTON FIBRE
ये आराम का मामला है!
www.rupa.co.in | Toll-Free No.: 1800 1235 001 | www.rupaonlinestore.com

With Best Compliments From:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head Office : 3, Gibson Lane, 2nd Floor
Suite-211, Kolkata-700 069

Phone : 2210-3480, 2210-3485

Fax : 2231-9221

E-mail: roadcargo@vsnl.net

Branches & Associates:

GUWAHATI, SILIGURI, DURGAPUR, HALDIA, KHARAGPUR,
BALASORE, BHUBNESWAR, CUTTUCK, ICCAPURAM, VISHAKAPATNAM,
VIJAYWADA, HYDERABAD, CHENNAI, BANGALORE, COCHIN, GAZIABAD (U.P. BORDER), INDORE

समाज विकास

◆ अगस्त २०१९ ◆ वर्ष ७० ◆ अंक ०८

◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● चिट्ठी आई है	५-६
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** अतीत के गौरव को पुनः प्राप्त करना स्वतंत्रता का ध्येय हो	७
● **अध्यक्षीय : सन्तोष सराफ** पूरे दक्षिण भारत में सम्मेलन का सशक्त पदक्षेप	९
● **रपट –**	
साधारण वार्षिक सभा	११
स्वतंत्रता दिवस समारोह	१३
● **विशेष :** गिरिडीह के केडिया बंधु	१५
● **समाचार सार**	१७
● **प्रांतीय समाचार** आन्ध्र प्रदेश, पश्चिम बंग	२१-२४
● **कविता : पं. ताऊ शेखावाटी**	३२
● **कहाणी –** अेकली – **राजेन्द्र जोशी**	३३
● **देव-स्तुति : डॉ. जुगल किशोर सराफ**	३५
● सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत	३६-३८

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com

◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

कैलाश चौधरी
KAILASH CHOUDHARY

सत्यमेव जयते

कृषि एवं किसान कल्याण
राज्य मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF STATE FOR AGRICULTURE
& FARMERS WELFARE
GOVERNMENT OF INDIA

D.O. No. 153 MOS(Agri.&FW)/VIP/2019

01 JUL 2019

प्रिय श्री संतोष सराफ जी,

आपकी शुभकामनाओं के लिए हार्दिक धन्यवाद। आपकी शुभकामनाएं मुझे निश्चित रूप से अपनी जिम्मेवारियों को सफलतापूर्वक निर्वहन हेतु संबल प्रदान करेंगी। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आपका स्नेह व सहयोग मुझे सदैव मिलता रहेगा।

सादर।

आपका

(कैलाश चौधरी)

श्री संतोष सराफ
राष्ट्रीय अध्यक्ष,
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन,
4बी, डकबैक हाऊस (चौथा तल)
41, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता- 700 017

Office : 199Q, Krishi Bhawan, New Delhi-110 001. Tel. : +91-11-23782343, 23388165 Fax : 23074190

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट
हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

Dr. **Kalanidhi Veeraswamy,** M.P.
M.S., FRCS (Edin), M.Ch (Plastic Surgery)
Member of Parliament
Lok Sabha
North Chennai Constituency - Tamilnadu.

A-3, 6th Street,
Anna Nagar East,
Chennai - 600 102.
E-mail : kalanidhiv@yahoo.co.in

13.07.2019

To
Shri Santosh Saraf
National President
All India Marwari Federation
No.48, Duckback House, 4th Floor
41, Shakespeare Sarani
Kolkotta 700 017.

Dear Shri Santosh Saraf Ji

I am immense pleasure on receipt of your greetings letter dated 11.06.2019. While thanking you for the greetings and good will sent to me on my victory, I wish you joy and prosperity.

With warm regards,

Yours sincerely,
13.7.19
(Dr.KALANIDHI VEERASWAMY)
MP North Chennai

Manoj Kotak
Member of Parliament (Lok Sabha)

Shri Santosh Saraf ji,
Dear Sir,

Thank you for your warm wishes on my election as Member of Parliament from the Mumbai North East Constituency.

This is a victory of the progressive and people friendly policies of the visionary BJP Govt. led by Honorable Prime Minister Shri Narendra Modi ji and Hon. Chief Minister of Maharashtra Shri Devendra Fadnavis ji.

I promise you that I shall leave no stone unturned in reposing your faith in me.

Come on, let us together translate into reality the Prime Minister's call of "Sabka Saath, Sabka Vikas, Sabka Vishwas" and create a New India.

Regards,

Manoj Kotak
Member of Parliament [Loksabha]

राकेश सिंह
संसद सदस्य (लोक सभा), जबलपुर
निवास :
2, के. कामराज लेन, नई दिल्ली-110011
फोन : 011-23010108, टेलीफैक्स : 011-23011911
578, साउथ सिविल लाइन्स, जबलपुर, (मध्य प्रदेश)
फोन : 0761-2410099

सत्यमेव जयते

प्रदेश अध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी,
मध्य प्रदेश
कार्यालय :
ई-2/29, पंडित दीनदयाल उपाध्याय परिसर
अरेरा कॉलोनी, भोपाल-462016, मध्य प्रदेश
फोन : 0755-2463445, 2466399
फैक्स : 0755-2464024

दिनांक : 12/07/2019

श्री संतोष सराफ जी -

लोकसभा चुनाव 2019 में जबलपुर संसदीय क्षेत्र से मेरे पुनः विजयी होने पर आपके द्वारा प्रेषित शुभकामनायें प्राप्त हुईं, हार्दिक आभार।

माननीय नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जनता ने मुझ पर विश्वास व्यक्त करते हुए संसदीय क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए सेवा का अवसर प्रदान किया है। जन अपेक्षाओं के अनुरूप मैं अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकूं, ऐसा मेरा प्रयास होगा।

आपका स्नेह एवं सहयोग मुझे सदैव प्राप्त होता रहेगा, ऐसा मेरा विश्वास है।

धन्यवाद।

(राकेश सिंह)

प्रति,
श्री संतोष सराफ
राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारत वर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4 बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41 शेक्सपीयर सारानी, कोलकाता

कार्यालय : 1910-ए, राइट टाउन, जबलपुर, (म.प्र.), फोन : 0761-2407300, 2543225, टेलीफैक्स : 0761-4017799
ई-मेल : mpjbp@yahoo.com

रतन लाल कटारिया
RATAN LAL KATARIA

D.O. No. 68 /MOS(SJ&E-RLK)/VIP/2019
जल शक्ति
एवं
सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF STATE FOR JAL SHAKTI
AND
SOCIAL JUSTICE & EMPOWERMENT
GOVERNMENT OF INDIA

19 जुलाई, 2019

प्रिय श्री संतोष सराफ जी,

मंत्रिपरिषद में मेरे राज्यमंत्री के रूप में शामिल होने पर आपकी बधाई हेतु आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं आपके सहयोग एवं सतत् समर्थन की आकांक्षा करता हूँ ताकि मैं देशवासियों की बेहतर सेवा कर सकूं।

सादर,

आपका,

(रतन लाल कटारिया)

श्री संतोष सराफ,
राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन,
चौथी मंजिल, 4बी, डकबैक हाउस,
41, शेक्सपीयर सरणी,
कोलकाता–700017

Office 151, Shastri Bhawan, Dr Rajender Prasad Road, New Delhi-110001, Tel. : 011-23383757, 23383745, Fax : 011-23074097
Residence : 4-A, Telegraph Lane, New Delhi-110001, Tel. : 011-23329660

अतीत के गौरव को पुनः प्राप्त करना स्वतंत्रता का ध्येय हो

आदिकाव्य रामायण में भगवान राम ने कहा है – **जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।** जन्मभूमि जननी होती है एवं स्वर्ग के समान है। हमारा देश सभी मायनों में उन्नत था। हम विश्वगुरु के रूप में जाने जाते थे। प्राचीन काल से हम एक 'नालेज सोसाइटी' के रूप में विकसित थे। ज्ञान प्राप्त करने के लिये पूरे विश्व से यहाँ यात्री आते थे। भारत की उपजाऊ विशाल धरती, मौसम की अनुकूलता, प्राकृतिक सम्पदा की प्रचुरता के कारण हमारा देश सारे विश्व के लोगों के आकर्षण का केन्द्र बना रहता था। हमारे देश के विषय में यात्रियों ने कहा था - यहाँ स्वर्गभूमि है, यहाँ हवाओं में महक, फल-फूलों की भरमार है। जहाँ मानव बुद्धि अपने शिखर और सौंदर्य की पराकाष्ठा पर पहुँच चुकी है।

वेदों के भूमि सूक्त में कहा गया है – **जनं विभ्रती बहुधा दिवाचसं नाना धर्माणांपृथवी।** इसमे कहा गया है कि भारतवर्ष में लोग विभिन्न भाषायें बोलते हैं, विभिन्न धर्मों का पालन करते हैं एवं साथ-साथ सुखी जीवन-यापन करते हैं, भारत की अवधारणा एक अति प्राचीन संरचना है। ब्रिटिश राज के समय जैसा कि आम धारणा है, इसका प्रतिपादन नहीं हुआ था। बहुभाषिक, बहुजातीय, बहुधर्मीय एवं बहुसांस्कृतिक राष्ट्र के रूप में भारत की पहचान पहले से ही थी जो धर्म यानि नैतिक नियमों एवं संस्कृति द्वारा परिचालित होती थी। भारत में धर्म, भाषा, भोजन, वेशभूषा, रीति-रिवाज, संस्कृति की बहुलता थी। इनमें खुलापन था। राजनैतिक रूप से न सही सांस्कृतिक रूप से भारत एक रहा, क्योंकि राष्ट्र मात्र एक भौतिक वस्तु नहीं है। राष्ट्र एक तत्व है, एक भाव है, विचार है, जो जन-जन को बाँधता है। समूचे भारतवर्ष में लोकप्रिय एवं जन-मन को भक्तिभावना की दिव्यता से जोड़ने वाले महाग्रंथ विष्णु पुराण में कहा गया है -

गायन्ति देवाः किल गीतिकानि, धन्यास्तु ते भारतभूमिभागे।

यानि भारतवर्ष सारी दुनिया में सबसे अच्छा देश है। यहाँ जन्म लेना असीम पुण्य का फल होता है, इसी कारण देवता भी यहाँ जन्म लेने को तरसते हैं।

विष्णुपुराण में भी कहा गया है –

इतः स्वर्गश्च मोक्षश्वचमध्यं चातश्च गम्यते।
न स्वल्वयन्त्र मर्त्यानां कर्म यूमै विधियेते।

यानि वे लोग धन्य है जो हिन्दुस्तान की माटी में जन्म लेते हैं क्योंकि स्वर्ग एवं मोक्ष की सहकारी संस्कृति वाला देश भारतवर्ष को छोड़कर कहीं नहीं मिलेगा। हमारे देश में मानव स्वतंत्रता पहले से ही थी। वैशाली का लिच्छवी हो या मिथिला का विदेह गणराज्य या कपिलवस्तु का ज्ञावय गणराज्य या अयोध्या का रामराज्य। उस समय भी धार्मिक, नैतिक, सामाजिक, राजनैतिक एवं प्रथागत कानूनों द्वारा जनता संचालित होती थी। राजा मात्र अभिभावक एवं धर्म का दास होता था। दिशा निर्देश के लिये कुलगुरुओं का स्थान राजा से भी ऊपर होता था। इस संदर्भ में महाभारत में भीष्म पितामह का आख्यान महत्वपूर्ण है–

न राज्यं न च राजासीत्, न दंडो, न च दाण्डिकः।
धर्मेणैव हि प्रजाः सर्वाः रक्षन्ति स्म परस्परम्।।

यानि न राज्य, न राजा, न दंड, न दंड देनेवाला। श्रेष्ठ स्थिति वही है जहाँ प्रजा, धर्म के द्वारा आपस में एक दूसरे की रक्षा करती है।

इस प्रकार के उच्च दर्शन भारत भूमि में ही पनप सकते हैं। भारत के अप्रतिम विशिष्टता के विषय में **अमेरिकी विद्वान मार्क ट्वेन** ने कहा था - भारत मानव जाति का पालना है, मानवीय वाणी का जन्मस्थान है, इतिहास की जननी है, विभूतियों की दादी और इन सबों के उपर परम्पराओं की परदादी है। मानव इतिहास में हमारी सबसे कीमती और सबसे अधिक अनुदेशात्मक सामग्री का भंडार भारत में है। एक अन्य **जर्मन विद्वान मेक्स मूलर** ने इन शब्दों में भारत के विषय में कहा है – यदि हमसे पूछा जाय कि आकाश तले कौन सा मानव मन सबसे अधिक विकसित है, इसके कुछ मनचाहे उपहार क्या हैं। जीवन की सबसे बड़ी समस्याओं पर सबसे अधिक गहराई से किसने विचार किया है और उनके समाधान पाये हैं तो मैं कहूँगा भारत।

भारत एक अत्यंत प्राचीन देश एवं सभ्यता है। इस संबंध में **स्वामी विवेकानन्द** की वाणी अंतिम है - "भारत ने हजारों वर्षों से अपना शांतिपूर्वक अस्तित्व बनाये रखा। यहाँ जीवन तब भी था जब ग्रीस अस्तित्व में नहीं आया था, उससे भी पहले जब इतिहास का कोई अभिलेख नहीं मिलता। तब से

लेकर अब तक विचारों के बाद नये विचार यहाँ से उभर कर आते रहे और प्रत्येक बोले गये शब्द के साथ आशीर्वाद और इसके पूर्व शांति का संदेश जुड़ा रहता। हम दुनिया के किसी भी राष्ट्र पर विजेता नहीं रहे है। और यह आशीर्वाद हमारे सिर पर है और इसीलिये हम जीवित है।" हमारा ज्ञान एवं संस्कृति बसुधैव कुटुम्बकम की रही है। हमारे पुराण कहते हैं - जीवन की स्वतंत्रता /स्वाधीनता जीवन की सफलता है तथा गुलामी तो जीवन के रहते रहते मौत है।

स्वाधीन वृत्तैः साफल्य न पराधीन वृत्तिता।
ये पराधीन कर्मणो जीवन्तोऽपि च ते मृताः।।

ऋग्वेद के एक स्वतंत्र मंत्र में स्वराज्य का बखान किया गया है, जिसमें सोलह बार स्वराज्य के पूजा की बात कही गई है। इसमें 'अर्चनु स्वराज्यम' पद का प्रयोग इस तथ्य को स्थापित करता है कि हम सदा से ही स्वतंत्रता के पक्षधर एवं राष्ट्रप्रेमी थे।

सब कुछ होते हुए भी गत बारह सौ वर्षों का इतिहास हमारे देश के लिये अंधकार का समय रहा है। इस दौरान अनेक विदेशी आक्रांताओं ने भारतभूमि को तहस-नहस किया। महाराणा प्रताप, शिवाजी छत्रपति, झांसी की रानी, बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस जैसे नेताओं ने मातृभूमि को गुलामी की जंजीरों से मुक्त करने के लिये अलख जगाया। असंख्य युवकों ने जिसमें भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, बटुकेश्वर दत्त, बाघा यतीन, उधम सिंह शामिल थे, अपने प्राणों की परवाह किए बिना देश की आजादी के लिये हँसते-हँसते अपना बलिदान दिया। सभी भाषा के साहित्कारों ने देश के कोने-कोने से एक स्वर में ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध राष्ट्रीय भावना को मुखरित किया। धर्म-जाति-प्रांत की संकीर्ण मनोवृत्ति से उपर उठकर राष्ट्रीयता ने समूचे देश को अपने में समाहित कर लिया, देश के प्रत्येक नागरिक का एक ही लक्ष्य बन गया - भारत की स्वतंत्रता। घर-घर में सत्याग्रही पैदा हो गए। उन्होंने एक स्वतंत्र भारत का सपना देखा। गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने उस स्वप्न को अत्यंत ही मार्मिक शब्दों में साकार किया। **जहाँ मन भय से मुक्त हो और मस्तक सम्मान से उठा हो, जहाँ ज्ञान स्वतंत्र हो, जहाँ संसार संकीर्ण घरेलू दीवारों के टुकड़ों में न तोड़ा गया हो, जहाँ विचार सच्चाई की गहराई से उपजते हों, जहाँ अथक प्रयास अपनी बाहें पूर्णता की ओर बढ़ाते हों, जहाँ विवेक की निर्मल धारा अंधविश्वासों के मरुस्थल की नकारात्मक रेत में न खो गई हो, जहाँ मन आप से प्रेरित होकर निरंतर गतिशील विचारों और कर्मठता की ओर बढ़ता हो, उस स्वतंत्रता के स्वर्ग में हे परमपिता! मेरे देश को जाग्रत कर।** टैगोर के इन शब्दों में भारत के विराट स्वरूप एवं सोच की गहराई का दर्शन होता है। मानव को किन आदर्शों के लिये जीना एवं मरना चाहिए, इसका हमें बोध होता है। स्वतंत्रता के इस विस्तृत एवं विशिष्टतम प्रारूप को अपनाना हमारे लिये अभीष्ट था। १९४७ में प्राप्त राजनैतिक स्वतंत्रता हमें अपने गरिमा को फिर से प्राप्त करने की ओर प्रेरित न कर सके तो यह स्वतंत्रता निरर्थक है। इस दिशा में पिछले ७२ वर्षों में हमने कितनी सफलता पायी है, यह एक यक्ष प्रश्न है। प्रत्येक नागरिक को इस विषय में सोचने की आवश्यकता है। हमें यह याद रखना होगा कि स्वतंत्रता सेनानियों ने कभी नहीं सोचा कि स्वतंत्रता के लिये बलिदान करने से उन्हें या उनके परिवार को क्या प्राप्त होगा। हँसते हँसते उन्होंने अपना उत्सर्ग किया। वे अगर स्वयं के विषय में सोचते तो क्या हम आज स्वतंत्रता प्राप्त कर सकते? स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अक्सर इस प्रकार के प्रश्न मन में उठने लगते हैं। आज की स्थिति यह है कि हम स्वयं के विषय में सोचने में ही मशगूल हैं। एक दिन के लिये या कहें कुछ देर के लिए राष्ट्रप्रेम को एक रीति के रूप में निभाकर हम अपने दायित्व की इतिश्री समझ लेते हैं। किसी कवि ने ठीक ही कहा है–

लिपटकर तिरंगे के साथ सो गई आलमारी में
देशभक्ति है साहिब तारीखों में जागती है।

सामाजिक अवदान एवं राष्ट्र निर्माण की बातें भी अब दिखावा एवं महज औपचारिकता बनकर रह गई हैं।

आजादी एक मशाल है, जिसे स्वतंत्रता सेनानियों ने हमारे हाथों में सौपा था। राष्ट्रप्रेम या देशप्रेम के अग्नि-स्फूलिंग जब तक हमारे जीवन के आयामों को विकीर्ण नही करेंगे, तब तक हम न तो इस स्वतंत्रता की भावना को जी सकेंगे एवं न ही देश अपने गौरव को पुनः प्राप्त कर पायेगा। राजनैतिक रूप से स्वतंत्र होते हुए भी जाति, धर्म, भाषा, खान-पान और न जाने किन किन अवधारणाओं के लिए हम आपस में संघर्षरत हैं। देश में गरीबी, अशिक्षा, नारी एवं दलित शोषण, अस्वच्छता, सामाजिक कुरीतियों, हिंसा, आपसी भेदभाव में हम कहीं आगे हैं। हमारी ओछी सोच एवं स्वार्थलोलुपता हमारे पैरों में बेड़ी का काम करती है, जिसके कारण हम पिछड़ रहे हैं, वैमनस्य को दूर किये बिना हम सही माने में स्वतंत्रता का सुख और अपना खोया हुआ गौरव प्राप्त नहीं कर सकते।

शिव कुमार लोहिया

अध्यक्षीय

पूरे दक्षिण भारत में सम्मेलन का सशक्त पदक्षेप

– सन्तोष सराफ

पिछले दिनों मुझे विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए विशाखापट्टनम एवं पटना जाने का अवसर मिला। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया एवं श्री बसंत मित्तल के प्रयासों के फलस्वरूप विशाखापट्टनम में आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पुनर्गठन का कार्य सम्पन्न हुआ। विशाखापट्टनम में आयोजित शपथग्रहण समारोह में श्री चांदमल अग्रवाल ने प्रांत के नये अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला। मैने पाया कि उनके साथ उत्साह से भरे समाजबंधु इस नये प्रयास को हर प्रकार से सफल करने के लिए कटिवद्ध हैं। समारोह के पहले एक पत्रकार सम्मेलन में मुझे सम्मेलन के इतिहास, उद्देश्य एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इसकी प्रासंगिकता एवं कार्यक्रम के विषय में चर्चा करने का अवसर मिला। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने मुझे बताया कि आंध्र प्रदेश के प्रत्येक जिले में सम्मेलन की शाखा खोलने का प्रयास करेगें। प्राप्त सूचना के अनुसार सुदूर तिरुपति में इस सिलसिले मे उन्होंने एक सभा का आयोजन भी किया है। हाल में सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा के अवसर पर श्री चांदमल अग्रवाल अपने सहयोगियों के साथ कोलकाता भी पधारे थे। सम्मेलन अपने स्थापना काल से ही पूर्वी एवं उत्तर भारत में ही सक्रिय रहा है। यह हर्ष का विषय हैं कि इस सत्र में दक्षिण भारत में संगठन-विस्तार के प्रभारी श्री बसंत मित्तल के प्रयासों से दक्षिण भारत में सम्मेलन सक्रिय होता जा रहा है। हाल ही में श्री मित्तल के प्रयासों से केरल में भी कुछ विशिष्ट संरक्षक सदस्य एवं आजीवन सदस्य बने हैं। एसी आशा की जा रही है कि केरल में भी सम्मेलन की प्रादेशिक इकाई शीघ्र स्थापित होगी। इस प्रकार तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र, तेलगांना एवं केरल में प्रांतीय शाखा के खुल जाने से पूरे दक्षिण भारत में सम्मेलन की उपस्थिति दर्ज हो जायगी। इन नई शाखाओं को पूर्ण रूप से सक्रिय बनाने एवं बने रहने में केन्द्रीय सम्मेलन का हर संभव सहयोग रहेगा।

जैसा मैने पहले बताया, गत १८ अगस्त को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने देशप्रेम के गीतों पर नृत्य-प्रतियोगिता का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में शामिल होकर मुझे विशेष आनंद की अनुभूति हुई। प्रांत के विभिन्न भागों से प्रतियोगी इस कार्यक्रम में शामिल हुए एवं अपने सुमधुर एवं जोश भरे प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। इस प्रकार के सफल कार्यक्रम आयोजित करने के लिए मैं बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बिनोद तोदी एवं उनकी टीम को साधुवाद देता हूँ। इस प्रकार के कार्यक्रम से समाज में ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र मे समाज एवं सम्मेलन की छवि बनती है। साथ ही साथ समाज के युवकों में देशप्रेम की भावना पनपती है। मैं सभी प्रांतो से अनुरोध करूँगा कि इस प्रकार के कार्यक्रम अपने-अपने प्रांतों मे भविष्य में आयोजित करने का प्रयास करें। बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने हाल ही में 'नेगचार' शीर्षक से मारवाड़ी रीति-रिवाज निर्देशिका प्रकाशित की है। इसका भी स्वागत किया जाना चाहिए। मैं श्री बिनोद तोदी एवं उनकी टीम को इस प्रयास के लिए भी साधुवाद देता हूँ। उन्होंने बताया कि यह पुस्तिका समाजबंधुओं को निशुल्क प्रदान की जाएगी। मुझे आशा है कि इस प्रकार के पुस्तिका के प्रकाशन से समाज में हमारे नेगचार एवं रीति-रिवाज को सही ढंग से जानने एवं सम्पन्न करने में मदद मिलेगी एवं उनके प्रति हमारी आस्था फिर से प्रगाढ़ होगी।

आगामी १५ सितम्बर २०१९ (रविवार) को पश्चिम बंगाल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अतिथ्य में कोलकाता में अखिल भारतीय समिति की बैठक आयोजित होने जा रही है। समिति के सदस्यों से इस महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने का अनुरोध है। मैं प्रदेश अध्यक्ष श्री नंद किशोर अग्रवाल एवं उनकी टीम को अपनी अग्रिम शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ। श्री अग्रवाल के नेतृत्व में पश्चिम बंग सम्मेलन नई शाखाएँ खोलने में भी उल्लेखनीय सफलता हासिल कर रहा है। श्री अग्रवाल के प्रयासों की सफलता की मैं कामना करता हूँ एवं उन्हें बधाई देता हूँ!

जय समाज! जय राष्ट्र!

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

उच्च शिक्षा कोष

समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

विगत ८ वर्षों में देश के विभिन्न भागों के सैंकड़ों छात्र-छात्राओं को करीब दो करोड़ रुपयों का दिया जा चुका है अनुदान

वित्तीय वर्ष (२०१८-१९) में ५२ लाख रुपयों से अधिक का आवंटन

"Education is a fundamental human right and essential for excercise of all other human rights."

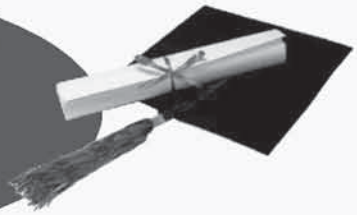

उदारहृदय समाजबंधुओं का मिल रहा है तहेदिल से साथ

आप भी बढ़ाएँ सहयोग का हाथ समाज के सर्वांगीण विकास में बनें भागीदार !

छात्र/छात्राएँ नि:शुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें

इंजीनियरिंग, टेक्निकल, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर/उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता : (क) १७ और २५ वर्षों के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओं में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।

(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय तीन लाख रुपयों से कम होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया : (क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रों, प्रवेश के प्रमाण, माता-पिता के आय प्रमाणपत्र एवं पासपोर्ट साइज चित्रों के साथ, मारवाड़ी सम्मेलन की किसी शाखा/सम्बद्ध संस्था से अनुमोदित आवेदन प्रस्तुत करने हैं।

(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपयों की राशि अनुदानस्वरूप दी जा सकती है।

(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्राओं के लिए सुरक्षित हैं।

आवेदन करें : *चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन*

४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७, फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : aimf1935@gmail.com

सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा

सेवामूलक कार्यों एवं समाज-सुधार पर रहेगा जोर : संतोष सराफ

बैठक में राष्ट्रगान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा गत १० अगस्त २०१९ को शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक का सभापतित्व करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने बैठक में सबका स्वागत किया और सम्मेलन की हालिया गतिविधियों के विषय में संक्षेप में बताया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के संगठन में गत वर्ष अभूतपूर्व विस्तार हुआ है, यह बहुत हर्ष का विषय है। **संगठन-विस्तार में बिहार और उत्कल की प्रादेशिक शाखाओं ने अग्रणी भूमिका निभाई है**। दक्षिण भारत में कर्नाटक, तमिलनाडु एवं आन्ध्र प्रदेश में प्रादेशिक शाखाओं का पुनर्गठन किया गया है और तेलंगाना में प्रादेशिक शाखा की स्थापना की गई है। इन राज्यों के प्रभारी राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण – **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** एवं **श्री पवन कुमार गोयनका** साधुवाद के पात्र हैं। श्री सराफ ने कहा कि दक्षिण भारत के प्रान्तों में प्रादेशिक शाखाओं की स्थापना एवं उन्हें गति देने में सम्मेलन की सदस्यता-विस्तार उपसमिति के संयोजक एवं दक्षिण भारत में संगठन-विस्तार के प्रभारी **श्री बसंत कुमार मित्तल ने धुरीय भूमिका निभाई है,** श्री मित्तल केरल में भी प्रादेशिक शाखा स्थापित करने हेतु प्रयासरत हैं। सम्मेलन के क्रिया-कलापों के विषय में बताते हुए उन्होंनें कहा कि सेवा के कार्यों एवं समाज सुधार, दोनों विषयों पर हमें काम करना होगा और अपने कार्यक्रमों की गति बनाये रखनी होगी।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि सम्मेलन के लिए संगठन सर्वोपरि है और इन क्षेत्र में सम्मेलन को पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल हुई हैं, यह अत्यंत हर्ष का विषय है। समाज सुधार के विषय में बोलते हुए उन्होंने कहा कि समाज की खूबियों को बचाकर रखने के लिए हमें कमियों को हटाना पड़ेगा। श्री शर्मा ने पंचायतों के महत्व पर बल दिया और कहा कि समस्याओं के निवारण में ये महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुँगटा** ने कहा कि मारवाड़ी स्वभाव से ही सामाजिक होते हैं। उन्होंने कहा कि समाज का संगठन कर, विपत्ति की स्थिति में एक-दूसरे के साथ खड़ा होना और समयानुसार समाज-सुधार के कार्य करना, सम्मेलन के मूल उद्देश्य हैं। इन उद्देश्यों की प्राप्ति कर हम समाज के सर्वांगीण विकास में योगदान कर सकते हैं। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने सम्मेलन की महापंचायत की गतिविधियों के विषय में बताया।

राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने गत बैठक का कार्यवृत और गत वर्ष के कार्यकलायों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जो पारित हुए। कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी** ने वितीय वर्ष २०१८-१९ के आय-व्यय का लेखा-जोखा और संतुलन पत्र प्रस्तुत किया और उससे संबधित प्रश्नों के उत्तर दिए। लेखा-जोखा और संतुलन पत्र सर्वसम्मति से पारित हुआ। श्री तोदी ने

सम्मेलन की आर्थिक स्थिति, कोष, समाज विकास के खर्च एवं विज्ञापन, अनुदान-प्राप्ति आदि के विषय में संक्षेप में बताया। उन्होंने समाज विकास में विज्ञापनदाताओं और अनुदान-दाताओं का आभार प्रकट किया। श्री तोदी ने कहा कि सम्मेलन के वेबसाईट का कार्य प्रगति पर है एवं इसमें श्री दिनेश जैन का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है।

सी.ए. **श्री पी. के. लिल्हा** को सर्वसम्मति से अगले वर्ष के लिए लेखा परीक्षक नियुक्त किया गया।

रोजगार पाने में युवक-युवतियों की मदद एवं सम्मेलन की वेबसाईट के आधुनिकीकरण में सहयोग के लिए सभा ने **श्री दिनेश जैन** का धन्यवाद-ज्ञापन किया।

तमिलनाडु सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री अशोक मूँधड़ा**, आन्ध्र प्रदेश सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री चांदमल अग्रवाल** और पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंद किशोर अग्रवाल** ने अपने-अपने प्रांतों में सम्मेलन की गतिविधियों और भावी योजनाओं के विषय में संक्षिप्त जानकारी दी।

श्री रतन मारोठिया ने कहा कि हमें जहाँ कहीं भी सम्भव हो, अपनी भाषा का अधिकाधिक प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थानी भाषा की मान्यता हेतु हर सम्भव कदम उठाना हमारा नैतिक दायित्व है।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पवन गोयनका** ने कहा कि अनेक खूबियों को समेटे मारवाड़ी एक बेजोड़ संस्कृति है और इसे अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए हमें अपनी भावी पीढ़ी की भी अपनी संस्कृति-संस्कार से अवगत रखना चाहिए।

सभा में सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, सर्वश्री आत्माराम सोंथलिया, अशोक केडिया, अरुण प्रकाश मल्लावत, नंदलाल सिंघानिया, संजय शर्मा, गोविन्द प्रसाद केजरीवाल, भानीराम सुरेका, सम्पतमल बच्छावत, विनोद टेकरीवाल, इंद्रचंद महरिवाल, शिव कुमार लोहिया, राम किशन अग्रवाल, बैजनाथ सराफ, पंकज केडिया, शिव कुमार गुजरवासिया, संजय भरतिया, सांवरमल शर्मा, विजय कुमार लोहिया, किशन कुमार किला, शम्भु मोदी, जगदीश प्रसाद अग्रवाल, मुरारीलाल सोंथलिया, बिजय कुमार डोकानियाँ, बालकृष्ण माहेश्वरी, के.के. डोकानिया, गिरधारी लाल पारिक, कमल कुमार सरावगी, रवि लोहिया, रमेश कुमार बुबना, शरत झुनझुनवाला, हर्ष कुमार शर्मा, बंशीधर शर्मा, महावीर प्रसाद मनकसिया, वेद प्रकाश जोशी, ओम प्रकाश अग्रवाल, विवेक गोयल आदि उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : आन्ध्र प्रदेश

संगठन-विस्तार हेतु तिरुपति में बैठक

सद्य-पुनर्गठित आन्ध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने सक्रियता के साथ संगठन-विस्तार के लिए प्रयास प्रारम्भ कर दिए हैं। रेणिगुण्टा निवासी प्रादेशिक उपाध्यक्ष **श्री मनोज कुमार गुप्ता** की पहल पर, शाखा-स्थापना हेतु, तिरुपति एवं रेणिगुण्टा निवासी समाजबन्धुओ की एक बैठक गत १६ अगस्त २०१९ को तिरुपति के सुमेर प्लाजा में **श्री राजेन्द्र प्रसाद पारीक** के आतिथ्य में हुई। प्रादेशिक उपाध्यक्ष श्री मनोज कुमार गुप्ता ने प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री चांदमल अग्रवाल** एवं विशाखापट्टनम् से उनके साथ पधारे प्रादेशिक कार्यकारिणी सदस्य **श्री पवन कुमार कांसरिया** का सबसे परिचय करवाया। अतिथियों का गरिमामयी स्वागत स्थानीय समाजबन्धुओं ने किया। बैठक को सम्बोधित करते हुए आन्ध्र प्रदेश सम्मेलन के अध्यक्ष श्री चांदमल अग्रवाल ने उपस्थितों को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के विषय में जानकारी दी और कहा कि हम संगठित होकर ही आगे बढ़ सकते हैं। स्थानीय परिस्थितियों के सन्दर्भ में, सदस्यों की शंकाओं का उन्होंने संतोषप्रद समाधान भी किया। अंत में सभी उपस्थितों ने एक स्वर में सम्मेलन की सदस्यता ग्रहण कर, सामाजिक कार्यों

से जुड़ने की सहमति प्रदान की।

बैठक में सर्वश्री रामकिशोर पारीक, रूपाराम देवासी, गणपत सिंह राजपुरोहित, भंवर लाल कुमावत, सूर्यप्रकाश शर्मा, रविकुमार गोयल, सुरेश अग्रवाल, अनिलकुमार गौड़, सुदर्शन मिश्रा, रामगोपाल छीपा, नरेन्द्र राठौर, जयसिंह राजपुरोहित, शैलेन्द्र मिश्रा, रूपसिंह राजपुरोहित, नेमीचंद गहलौत, श्याम गहलौत, नवीन कुमार जैन, मनोज कुमार झवर, सुरेश कटारिया, राजेन्द्र गौड़, पवन छीपा, सम्पतराज सोनी, रामसिंह पुरोहित आदि उपस्थित थे।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का स्वतंत्रता दिवस समारोह

अवसर वीर पूर्वजों के नमन, उनको कृतज्ञता-ज्ञापन का : संतोष सराफ

"आज का दिन अपने उन वीर पूर्वजों का स्मरण तथा नमन करने एवं अपनी विनम्र कृतज्ञता ज्ञापित करने का है जिन्होंने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपना तन-मन-धन अर्पित किया। स्वतंत्रता-संग्राम में मारवाड़ी समाज की अत्यंत गरिमामयी भूमिका थी, जो हमारे लिए सदैव गर्व का विषय रहेगा।" ये उद्‌गार अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने राष्ट्र के ७३वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित बैठक में व्यक्त किए। स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता-प्राप्ति के बाद, पिछले बहत्तर वर्षों में हमने कहाँ प्रगति की है और किन क्षेत्रों में पिछड़ रहे हैं, इसका आकलन करने, इस पर विचार करने का यह अवसर है।

श्री सराफ ने कहा कि समाज और राष्ट्र के हित में सरकार के कार्यक्रमों में भी हमें सहयोग करना चाहिए। स्वच्छता एवं जल-संरक्षण जैसे विषयों पर आमजन की सक्रिय-सचेत भागीदारी से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की वर्तमान परिस्थितियों एवं राजनैतिक मुद्दों पर सचेत रहना भी हमारा कर्त्तव्य है। सामाजिक विषयों पर चर्चा करते हुए श्री सराफ ने कहा कि यह सर्वमान्य है कि मारवाड़ियों की सबसे बड़ी विरासत हमारी साख है। अपने जुबान पर खरा उतरने की, अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन करने की हमारे समाज की परम्परा रही है। लेकिन आज अनेकों दृष्टांत इसके उलट आ रहे हैं, लोग लाखों-करोड़ों लेकर अपनी देनदारी से मुकर रहे है। ये अपनी प्रतिष्ठा तो खोते ही हैं, साथ ही पूरे समाज की बदनामी का कारण भी बनते हैं। यह एक गम्भीर चिंतन का विषय है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के अन्तर्गत सर्वप्रथम सम्मेलन के प्रशासनिक कार्यालय (डकबैक हाउस, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता) के समक्ष उपस्थित पदाधिकारियों-सदस्यों के साथ मिलकर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने राष्ट्रीय ध्वजोत्तोलन किया, राष्ट्रगान एवं 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा' का गायन हुआ। तत्पश्चात् सम्मेलन कार्यालय के सभागार में एक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक का सम्बोधित करते हुए सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि हमें देश की एकता और अखंडता को बनाये रखने के लिए सदैव सजग रहना चाहिए तथा हर सम्भव प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक हजार साल की गुलामी के बाद राष्ट्र को स्वतंत्रता मिली। हर्ष है कि हमने गत ७२ सालों में उल्लेखनीय प्रगति की है। श्री शर्मा ने स्वतंत्रता-संग्राम में मारवाड़ी समाज की महती भूमिका की चर्चा करते हुए स्व. इंदुमति गोयनका का उल्लेख किया जो आजादी की लड़ाई में जेल जाने वाली पहली महिला थी।

श्री शर्मा ने कहा कि **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी स्वच्छता-पालन, प्लास्टिक तैलों का प्रयोग, जल-संचय जैसी साधारण बातों को भी राष्ट्रीय पर्व बना देते हैं।** समाजहित के ये विषय हमारे नागरिक चरित्र के द्योतक हैं। हम सभी को, एवं सम्मेलन को भी, इससे जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रनिर्माण, विशेषकर आर्थिक क्षेत्र, में आज भी मारवाड़ी समाज की भूमिका है। देश की जी.डी.पी. दो ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर तीन ट्रिलियन डॉलर हुई है, पाँच की भी होगी लेकिन गरीबी अभी समाप्त नहीं हुई है। देश की प्रगति का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, यह सुनिश्चित करना होगा।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुँगटा** ने सभी उपस्थितों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि समय के साथ समाज में बदलाव आया है। अवसर बढ़े हैं और बच्चे जिस दिशा में जायें, उसमें उन्हें प्रोत्साहन देना चाहिए। उन्होंने कहा कि **यह एक सच्चाई है कि अब अन्तर्राष्ट्रीय परिवेश में काम करना है, फिर भी, अपने मूल संस्कारों के प्रति सजग रहना चाहिए।** श्री रुँगटा ने अपनी मातृभाषा के महत्व पर बल दिया और कहा कि इसीके माध्यम से अपनी सभ्यता-संस्कृति को समझ सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमे समाज-निर्माण के साथ-साथ राष्ट्रनिर्माण में भी भाग लेना चाहिए और जहाँ आवश्यक हो, गलत चीजों का विरोध करना चाहिए।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विवेक गुप्त** ने कहा कि नयी पीढ़ी को संस्कार और भाषा के साथ-साथ पारम्परिक धार्मिक आयोजनों में भी शामिल करना चाहिए और वे यदि उत्सुकता दिखायें, तो उन्हें इन विषयों से अवगत कराना चाहिए।

राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने कहा कि राष्ट्र प्रगति-पथ पर अग्रसर है। वर्तमान सरकार की पहल पर संसद द्वारा संविधान की धारा ३५ए एवं ३७० में संसोधन से राष्ट्र की अखंडता में एक नया अध्याय जुड़ा है। हमारा समाज उद्योग-व्यापार से जुड़ा है, **हम राष्ट्र को एक परम वैभवशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित करेंगे।**

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने संस्कारों की आवश्यकता एवं स्वयं द्वारा उसके पालन को महत्वपूर्ण बताया – **हम जो करेंगे, हमारे बच्चे भी उसी का अनुकरण करेंगे।** राष्ट्र की वर्तमान परिस्थितियों के सन्दर्भ में उन्होंने कहा कि देश बदल रहा है, अर्थव्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार पर नियंत्रण के प्रयास हो रहे हैं, ऐसे में अपनी सोच को बदलना पड़ेगा। श्री हरलालका ने कहा कि कुछ लोगों द्वारा यह फैलाने का प्रयास किया जा रहा है कि देश में आर्थिक मंदी की स्थिति है, यह यथार्थ से परे हैं।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल** ने कहा कि वर्तमान सरकार ने हाल में कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं जिससे पूरे देश में खुशी का माहौल है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार स्वतंत्रता-संग्राम में पूरे राष्ट्र ने एकजुट होकर लड़ाई लड़ी, उसी प्रकार, वर्तमान परिस्थितियों का ध्यान में रखकर हम सभी को राष्ट्र के प्रति अपने नैतिक दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए।

पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री एवं 'समाज विकास' के सम्पादक **श्री शिव कुमार लोहिया** ने कहा कि इस पावन दिन को यह भी विचारणीय है कि स्वतंत्रता के भी तंत्र होते हैं। अपनी कुंठाओं, कुरीतियों से आजाद होना भी महत्वपूर्ण है। व्यक्तिगत कमियों पर स्वयं ध्यान देने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा

कि बच्चों और युवाओं की स्थिति के लिए हम भी जिम्मेदार हैं – **हम जो बोयेंगे, वही हमारी अगली पीढ़ी काटेगी।** श्री लोहिया ने कहा कि हमें सदैव अपने राष्ट्रीय कर्त्तव्यों का भान होना चाहिए। इस विषय पर उन्होंने **शहीद कैप्टन तुषार महाजन** के बहुचर्चित ह्वाट्सअप स्टेअस को उद्धृत किया:

सो जाएगी कल लिपट कर तिरंगे के साथ अलमारी में,
ये देशभक्ति है साहब, तारीखों पर जागती है!!

सम्मेलन की विधिक एवं राजनैतिक चेतना उपसमितियों के चेयरमैन **श्री नंदलाल सिंघानिया** ने कहा कि आज का स्वतंत्रता दिवस अलग है। 'दो विधान, दो निशान, दो प्रधान' हटने के बाद यह पहला स्वतंत्रता दिवस है, पूरे राष्ट्र को इस विषय पर गर्व है, स्व. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना पूरा हुआ है। पाँच वर्ष के अन्दर विदेशों में भारत की पहचान बदल गई है। **भारतरत्न अटल बिहारी बाजपेयी** की सुप्रसिद्ध कविता '**आजादी अभी अधूरी है**' की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान शिक्षा -प्रणाली में सुधार की जरूरत है। भारतीय शिक्षा, संस्कार और चरित्र-निर्माण आदि भी शिक्षा के अंग होने चाहिए।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार**, पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंद किशोर अग्रवाल** एवं पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री भानीराम सुरेका** ने भी उपस्थितों को बधाई दी और अपने संक्षिप्त विचार प्रस्तुत किए। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया। बैठक में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला**, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री दामोदर बिदावतका**, सर्वश्री **श्यामलाल डोकानिया, आत्माराम सोन्थलिया, बिमल केजरीवाल, माधव सुरेका, काशी प्रसाद धेलिया, राजकुमार अग्रवाल, जगदीश प्रसाद अग्रवाल, विनय कुमार सराफ, किशन कुमार सोनी, शरत झुनझुनवाला, पवन जालान, रमेश कुमार बुबना, सुभाष चन्द्र बंका, चेतन मुरारका, संजीव कुमार धनचालिया, बृजलाल अग्रवाल, आकाश गुप्ता, सीताराम अग्रवाल, इन्द्रचन्द्र महरिवाल** आदि उपस्थित थे।

बैठक में पदाधिकारी-सदस्यगण

दुर्गापुर में स्वाधीनता दिवस का पालन

मारवाड़ी सम्मेलन, दुर्गापुर शाखा ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्थानीय श्री लक्ष्मी नारायण भवन के प्रांगण में झंडोत्तोलन एवं अन्य कार्यक्रम सम्पन्न किया। इस अवसर पर दो समाजसेवियों श्री शंभुनाथ जाजोदिया एवं श्रीमती संतोष सिंगी का सम्मान किया गया।

श्री जाजोदिया पिछले ३० वर्षो से वधिर, गूँगे एवं शारीरिक रूप से अपंग बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनके अभिभावकों को आवश्यक प्रशिक्षण देने का कार्य कर रहे हैं। अभी तक इस कार्यक्रम के तहत ५५० बच्चों को लाभ मिला है। उन्होंने बताया कि ३ वर्ष की उम्र तक के गूँगों एवं बहरे बच्चों का शत-प्रतिशत इलाज संभव है।

श्री शंभुनाथजी जाजोदिया की धर्मपत्नी श्रीमती मौमिता जाजोदिया, जो कि दुर्गापुर वीमन कालेज की प्रिन्सिपल रह चुकी है, का भी सम्मान किया गया।

श्रीमती संतोष सिंगी अपने अंचल के गरीब असहाय बच्चों को स्टडी मैटेरियल देकर उनके पढ़ाई का मार्ग प्रशस्त करती है।

बेरमो शाखा द्वारा छात्र-छात्राओं का सम्मान

मारवाड़ी सम्मेलन, बेरमो शाखा ने बेरमो कोयलांचल के विभिन्न विद्यालयों के १०वीं एवं १२वीं के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बेरमो बीडीओ श्री अखिलेश कुमार ने कहा कि विपरीत परिस्थिति में घबड़ाना नहीं चाहिए। सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने अपनी जीवन से जुड़ी परिस्थितियों को साझा किया।

समारोह में मारवाड़ी सम्मेलन बेरमो शाखा के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, सचिव राजकुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष दिलीप गोयल, जैन समाज के राजू दोसी अग्रवाल समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री अनिल अग्रवाल, अग्रसेन भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्रवाल, उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री महेन्द्र खेमका ने किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रेम गोयल, अशोक राठी, श्यामलाल गोयल, कैलाश अग्रवाल, नेमीचंद गोयल, कृष्णा राइका, आनंद अग्रवाल, अरुण अग्रवाल, कमल अग्रवाल, रामअवतार कारीवाल, सुरेश बंशल, अजय गोयल, चिरंजीव अग्रवाल, अभिजीत अग्रवाल, भवानी अग्रवाल, छितरमल गोयल, मुकेश खेमका, रमन गर्ग, राहुल अग्रवाल, शंकर अग्रवाल आदि ने योगदान दिया।

सीताराम शर्मा की बेलारूस एवं रूस यात्रा

भारत चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष, कोलकाता में बेलारूस गणराज्य के मानद कन्सुल एवं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने अगस्त २०१९ के प्रथम सप्ताह में बेलारूस एवं रूस की यात्रा की। बेलारूस यात्रा हेतु बेलारूस गणराज्य के उपराष्ट्रपति डॉ. मिखाईल मिसेनिकोविच, जो बेलारूस संसद के अपर हाउस के चेयरमैन भी हैं, ने श्री शर्मा को निमंत्रित किया था। साथ ही, कोलकाता हेतु ट्राली बसों की सप्लाई एवं ट्रामों के आधुनिकीकरण हेतु सम्बंधित बेलारूस की कम्पनी के प्रस्ताव पर विचार, बेलारूस की विदेश, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, वाणिज्य आदि मंत्रालयों के अधिकारियों से विभिन्न द्विपक्षीय विषयों पर विमर्श, बेलारूस की चैम्बर ऑफ कॉमर्स एवं इण्ड्रस्ट्रीज की बैठक को सम्बोधन, मास्को चैम्बर ऑफ कॉमर्स एवं इण्डस्ट्रीज के अध्यक्ष मि. ब्लादीमिर मिखेलोविच प्लेटनोव के निमंत्रण पर चैम्बर के अधिवेशन को सम्बोधन एवं भारत चैम्बर ऑफ कॉमर्स तथा मास्को चैम्बर ऑफ कॉमर्स एवं इण्डस्ट्रीज के बीच एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर, बेलारूस में भारत की राजदूत श्रीमती संगीता बहादुर से मुलाकात, बेलारूस और रूस की संयुक्त राष्ट्र संघ संस्थाओं को सम्बोधन सहित विभिन्न अन्य कार्यक्रमों हेतु नियोजित यह यात्रा बहूद्देशीय थी।

मिन्स्क पहुँचने पर भारत में बेलारूस के राजदूत मि. अन्द्रेई रेजेउस्की ने सपत्नीक आकर श्री शर्मा की अगवानी की। बेलारूस संसद के अपर हाउस पहुँचने पर इसके चेयरमैन एवं बेलारूस गणराज्य के उपराष्ट्रपति डॉ. मिखाईल मिसेनिकोविच ने उनका स्वागत किया। इनके साथ श्री शर्मा ने विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। इस बैठक में बेलारूस के विदेश, उद्योग एवं स्वास्थ्य मंत्रालयों के मंत्री भी उपस्थित थे।

मिन्स्क में श्री शर्मा ने बेलारूस में भारत की राजदूत श्रीमती संगीता बहादुर से भारतीय परिप्रेक्ष्य से राजनयिक महत्व के विषयों पर विचार-विमर्श किया और बेलारूस की चैम्बर ऑफ कॉमर्स एवं इंडस्ट्रीज की एक बैठक को सम्बोधित किया। उन्होंने वहाँ विदेश मंत्रालय में डिप्टी मिनिस्टर मि. ओलेग क्रावचेंको, एशिया, अफ्रीका एवं लैटिन अमेरिकन क्षेत्र के डायरेक्टर जनरल मि. विक्टर राइबैक, एशिया, ऑस्ट्रेलिया एवं ओसिनिआ डिपार्टमेंट के प्रमुख मि. सेर्जेइ टेरेंटिव तथा कंसुलेट डायरेक्टर - जनरल के निर्देशक मि. अलेक्जेंडर खैनोस्की के साथ भी बैठकें की एवं द्विपक्षीय महत्व के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

बेलारूस संसद पहुँचने पर अपर हाउस चेयरमैन एवं बेलारूस गणराज्य के उपराष्ट्रपति डॉ. मिखाईल मिसेनिकोविच द्वारा श्री शर्मा का स्वागत।

बेलारूस में भारत की राजदूत श्रीमती संगीता बहादुर से मुलाकात।

मिन्स्क में बेलारूस की चैम्बर ऑफ कॉमर्स एवं इण्ड्रस्ट्रीज की बैठक को सम्बोधित करते हुए।

मुम्बई, ढाका, कोलम्बो एवं काठमांडू में बेलारूस के मानद कन्सुलों के साथ मिन्स्क में; साथ में पुत्र अमित शर्मा (सबसे दाहिने) भी परिलक्षित हैं।

diva®
from LA OPALA®

CLASSIQUE COLLECTION | IVORY collection | QUADRA COLLECTION | SOVRANA COLLECTION | COSMO collection

Registered Office
Chitrakoot, 10th Floor, 230 A, A J C Bose Road, Kolkata-700020
Ph: 76040 88814/15/16/17 | Email: info@laopala.in | www.laopala.in

समाचार सार

कविता-संग्रह 'मन के द्वार' का विमोचन

माननीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति है कविता: केशरीनाथ त्रिपाठी

गत १४ जुलाई २०१९ को कोलकाता के सत्यजीत राय ऑडिटोरियम में पश्चिम बंगाल के **महामहिम राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी** के कर-कमलों से **श्री शिवकुमार लोहिया** के कविताओं के संकलन '**मन के द्वार**' का विमोचन सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर श्री त्रिपाठी ने श्री लोहिया को उनकी उत्कृष्ट रचनाओं के लिये बधाई दी। **उन्होंने कहा कि जब मानवीय संवेदनाएँ शब्द पा जाती हैं तो कविता का सृजन होता है।** उन्होंने कहा कि 'मन के द्वार' की रचनाएँ पाठक को सकारात्मकता की ओर जाने को प्रेरित करती है। यह स्वस्थ समाज के निर्माण के उपादानों को समाये हैं।

श्री नंदलाल रुँगटा ने कहा कि यह हर्ष का विषय है स्वयं महामहिम राज्यपाल जो स्वयं एक मूर्धन्य साहित्यकार हैं ने इस पुस्तक को अपने आशीर्वचन से सुशोभित किया है एवं इसका विमोचन भी उनके हाथों से होगा।

श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि पुस्तक में समाज को संदेश है कि मन को खोल कर रखें। आज मनुष्य मन के संकुचन के कारण अनेक समस्याओं से ग्रसित है। इसके कारण समाज में विकृति पनप रही है।

श्री शिवकुमार लोहिया ने कहा कि कविता नफरत के बाजार में मोहब्बत बेचती है। उन्होंने अपनी रचनाओं का भी पाठ किया जिसको श्रोताओं ने सराहा।

सभा में शिक्षाविद **श्री हरीकृष्ण चौधरी** ने भी अपना वक्तव्य रखा। प्रख्यात साहित्यकार, आलोचक **डॉ. शंभुनाथ** ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। **श्री विकास लोहिया** ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

आन्ध्र सम्मेलन का स्वतंत्रता-दिवस समारोह

आन्ध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने एक अनूठे तरीके से स्वतंत्रता-दिवस का पालन किया। विशाखापट्टनम् के डाबा गार्डन्स स्थित आर.बी.एम. अप पाठशाला में बच्चों के साथ साथ आन्ध्र सम्मेलन के अध्यक्ष श्री चांदमल अग्रवाल ने ध्वजारोहण किया, राष्ट्रगान हुआ और बच्चों के लिए प्रतियोगिताएँ आयोजित कर विजयी प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर लॉयन्स क्लब नॉर्थ ईस्ट के अध्यक्ष लॉयन के. कृष्णमूर्ति, एनरिच ट्रस्ट के अध्यक्ष तिलक पट नायक, पाठशाला के प्रधानाध्यापक एच. प्रभाकर राव, सर्वश्री संजय अग्रवाल, नरेन्द्र भंसाली, प्रदीप कुमार बियानी, सम्मेलन एवं लॉयन्स क्लब के सदस्यगण, पाठशाला के शिक्षकों सहति गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

गत १९ अगस्त २०१९ को आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में, श्री नरेन्द्र कुमार भंसाली के सहयोग से, डाबा गार्डेन्स, विशाखापटट्नम् स्थित आर.बी.एम. अप बाल्यम पाठशाला के विद्यार्थी शिशुओं के बीच पम्प सहित वाट र केन, स्टील के प्लेट-ग्लास, यूनिफार्म आदि वितरित किए गए। चित्र में आन्ध्र प्रदेश सम्मेलन के अध्यक्ष श्री चांदमल अग्रवाल, श्री नरेन्द्र कुमार भंसाली एवं बाल्यम सुपरवाईजर श्रीमती एम. डी. रुक्यावाना आदि परिलक्षित हैं।

With Best compliments From

Anzen Exports
&
Shubham Pharmachem Pvt. Ltd.

DEALER IMPORTER EXPORTER INDENTING AGENT FOR ALL KINDS OF ACTIVE PHARMACEUTICAL INGREDIENTS, PHYTOCHEMICALS, HERBAL EXTRACTS & ESSENTIAL OILS

KOLKATA

Anzen Exports

Regd. Office : 55/3D, Ballygunge Circular Road
Ground Floor, Kolkata-700 019, India

Admn. & Corres. Office :
157, Sarat Bose Road, 2nd Floor
Kolkata-700 026, India
20C, Hazra Road, 1st Floor, Kolkata-700 026, India
Tel : 91-33-2454 9650/51, 91-33-2454 8159
E-mail: info@anzen.co.in Web: www.anzen.co.in

MUMBAI

Shubham Pharmachem Pvt. Ltd.

205-206, Laxmi Plaza, Laxmi Industrial Estate
New Link Road, Andheri (W)
Mumbai - 400 053, India
P : +91 (22) 2635 4800 / 2635 4900
F: +91 (22) 6692 3929 / 2631 8808
Email: shubham@shubham.co.in

गिरिडीह के केडिया बंधु

गिरिडीह के केडिया बंधु के नाम से सुप्रसिद्ध **पं. मोर मुकुटकेडिया** (सितार) एवं **पं. मनोज केडिया** (सरोद) वर्तमान में भारत की सितार-सरोद की सबसे सफल जोड़ी माने जाते हैं। पद्मविभूषण उस्ताद अली अकबर खां, पद्मभूषण गुरु पं. अन्नपूर्णा देवी, पिता पं. शंभुदयाल केडिया, पं. सुनील मुखर्जी केडिया बंधु के गुरु रहे हैं। केडिया बंधु ने तबला सम्राट पं. किसन महाराज, पं. गुदई महाराज, उस्ताद जाकिर हुसैन आदि के साथ सफल कार्यक्रम दिया है। भारत रत्न पं. रविशंकर एवं पद्मभूषण उस्ताद अली अकबर खां की सितार-सरोद की जुगलबंदी के बाद संगीत समीक्षक एवं प्रेस विश्लेषक वर्त्तमान में केडिया बंधु को सबसे सफल जोड़ी मानते हैं।

इन्होंने भारत के अलावा अमेरिका, जर्मनी, चीन, मध्य अमेरिका आदि देशों के प्रतिष्ठित मंचों पर अपने सफल कार्यक्रम दिये हैं। मई २०१९ में आई.सी.सी.आर. (भारत सरकार) ने उन्हें गुवेतमाल एवं एल सर्वाडोर में भारतीय प्रतिनिधि के बतौर कार्यक्रम प्रस्तुत करने भेजा था। सन् १९९२ में पं. मनोज केडिया को संगीत प्रवीण में पूरे देश में First Class First Faculty Top तीन स्वर्णपदक मिला एवं सन् १९९६ में राष्ट्रीय युवा महोत्सव में पं. मोरमुकुट केडिया को सितार में पूरे देश में प्रथम स्थान स्वर्णपदक सम्मान मिला था।

केडिया बंधु की खास विशेषता है कि संगीत कम समझने वालों को भी वे अपने वादन शैली से आकर्षित करते हैं। उनके कार्यक्रमों में अक्सर श्रोता एवं संगीत के रसिकगण भाव विभोर होकर सुनते रहते है। 'क्या बात है', 'वाह', 'वंस मोर' से श्रोतागण उनके प्रस्तुति का स्वागत करते है। उनकी प्रस्तुति की सराहनीय समीक्षा समाचार पत्रों में प्रकाशित होती रहती है। केडिया बंधु के संचालन में संगीत साधन केन्द्र के नाम से भारत की महान विरासत शास्त्रीय संगीत के प्रचार प्रसार के लिये कार्यरत है। सन् १९९८ में पं. शंभुदयाल

केडिया ने इस केन्द्र की स्थापना की थी। इस केन्द्र ने समय-समय पर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संगीत समारोह आयोजित किये हैं। युवा कलाकारों को भी मंच प्रदान किया जाता है। इस केन्द्र ने कई अंतराष्ट्रीय स्तर के कलाकारों को तैयार किया है। इनमें से केडिया बंधु के अलावा, सुनील कुमार (मीठु मैया) टी सीरीज गायक पंकज, विशाल आदि शामिल हैं।

केडिया बंधु ४५ वर्षों से संगीत साधना में रत हैं। देश-विदेश में इन्हें अनेक सम्मानों से नवाजा गया है, जिनमें संगीत मार्तण्ड, भारत सेवा रत्न, गंधर्व सम्मान, कलाश्री, सरस्वती सम्मान, रोटरी सम्मान, नेशनल एवार्ड आदि प्रमुख हैं। हाल ही में १० अगस्त २०१९ को प्रभात खबर द्वारा केडिया बंधु को भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री वैंकेया नायडू के हाथों झारखंड गौरव का सम्मान दिया गया। झारखंड के मुख्यमंत्री एवं महामहिम राज्यपाल भी इस अवसर पर मंचासीन थे।

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully
Anmol™

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

सामाजिक संगठन है समाज के सर्वांगीण विकास के मूल में : संतोष सराफ

आन्ध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का हुआ पुनर्गठन

"राजस्थान, हरियाणा एवं मालवा के भू-भागों से निकल मारवाड़ी समाज पूरे देश एवं विदेशों में भी फैला हुआ है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, १९३५ में अपने स्थापना-काल से ही, विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रवासी मारवाड़ियों की समस्याओं के निराकरण हेतु सदैव प्रयास करता रहा है। सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक सुधार, राजनैतिक चेतना, भाषा-संस्कार-संस्कृति संरक्षण, समरसता, शिक्षा हेतु संसाधनहीन एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को अनुदान, युवक-युवतियों को रोजगार पाने में सहायता, आदि, क्षेत्रों में सम्मेलन कार्य कर रहा है और पर्दाप्रथा, बाल-विवाह, दहेज, कन्या-शिक्षा जैसे विषयों पर युगांतरकारी उपलब्धियाँ भी हासिल की हैं। लेकिन हमारे कार्यक्रमों की सफलता हमारे संगठित होने की प्रवृति एवं शक्ति से सीधे-सीधे जुड़ी हुई है। हम सभी साथ आकर, समाज के सभी तबकों – महिलाओं, युवक-युवतियों, किशोर-किशोरियों, धनी-गरीब, को एकजुट कर ही अपनी सामाजिक समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।" ये उद्‌गार सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने गत २७-२८ जुलाई २०१९ को विशाखापट्टनम् में आन्ध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पुनर्गठन के लिए आयोजित समारोहों में व्यक्त किए।

ज्ञातव्य है कि आन्ध्र प्रदेश प्रान्त के विभाजन एवं तेलंगाना प्रान्त के गठन के आलोक में, तेलंगाना में सम्मेलन की प्रादेशिक शाखा 'तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन' का गठन अगस्त २०१८ में किया गया। नयी प्रादेशिक शाखा के गठन से, पूर्ववर्ती आन्ध्र प्रदेश सम्मेलन के अधिसंख्य पदाधिकारी-सदस्यगण तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन से सम्बद्ध हो गये और तब से आन्ध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन केन्द्रीय सम्मेलन के अन्तर्गत कार्य कर रहा था।

गत कुछ महीनों में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के मार्गदर्शन में आन्ध्र प्रदेश सम्मेलन के प्रभारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** एवं सम्मेलन की सदस्यता-विस्तार उपसमिति के संयोजक एवं दक्षिण भारत में सम्मेलन के संगठन-विस्तार

चांदमल अग्रवाल निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित; शपथग्रहण किया

के प्रभारी **श्री बसंत मित्तल** ने आन्ध्र प्रदेश में प्रादेशिक शाखा के पुनर्गठन हेतु वहाँ के सक्रिय समाजबन्धुओं को साथ लेकर स्थानीय सदस्यों से सम्पर्क की मुहिम चलाई और नये सदस्य बनाये। सम्मेलन के संविधान के अनुसार, श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के संयोजकतत्व में एक तदर्थ समिति की स्थापना की गई और पुनगर्ठन से सम्बंधित आवश्यक प्रक्रिया पूरी की गई।

आन्ध्र सम्मेलन के अध्यक्ष पद हेतु चुनाव

२७ जुलाई २०१९ को शैलेश्वरा सेन मार्ग, विशाखापट्नम् स्थित राजस्थानी सांस्कृतिक मंडल भवन में आन्ध्र प्रदेश सम्मेलन के अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए प्रांत के सभी सदस्यों की एक बैठक आहूत की गई। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ**, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं आन्ध्र प्रदेश के प्रभारी **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया**, राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल**, दक्षिण भारत में सम्मेलन के संगठन-विस्तार के प्रभारी **श्री बसंत मित्तल** और आन्ध्र प्रदेश सम्मेलन के सदस्यगण उपस्थित थे।

बैठक को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने सम्मेलन की पृष्ठभूमि, उद्देश्यों और कार्यक्रमों तथा बैठक के विशेष उद्देश्य के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि उपस्थित समाजबंधु सजग-सतर्क सामाजिक व्यक्ति हैं और वे अपने अध्यक्ष के रूप में उपयुक्त समाजबंधु का चयन करें। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गाड़ोदिया ने सम्मेलन के कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने गीता से उद्धृत करते हुए कहा कि 'श्रेष्ठ पुरुष जो-जो आचरण करता है, अन्य लोग भी वैसा ही आचरण करते हैं।'

चुनाव की प्रक्रिया प्रारम्भ होने पर स्थानीय वरिष्ठ समाजबंधु **श्री किशनलाल चौधरी** ने आन्ध्र प्रदेश सम्मेलन के अध्यक्ष पद के लिए समाजसेवी **श्री चांदमल अग्रवाल** का नाम प्रस्तावित किया। **श्री दिनेश अग्रवाल** ने इसका अनुमोदन किया और **श्री चांदमल अग्रवाल निर्विरोध आन्ध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष निर्वाचित हुए।**

श्री चांदमल अग्रवाल को बधाई देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि चांदमल जी एवं

उनकी नयी टीम आन्ध्र प्रदेश में सम्मेलन के संगठन को मजबूती, समाज के सर्वांगीण विकास एवं सम्मेलन के लक्ष्यों की प्राप्ति में महती भूमिका निभायेगी। उन्होंने राजस्थानी पगड़ी पहनाकर श्री चांदमल अग्रवाल को सम्मानित किया। श्री गाड़ोदिया एवं स्थानीय सदस्यों ने भी श्री अग्रवाल को बधाई दी।

बधाई देते हुए दक्षिण भारत में सम्मेलन के संगठन-विस्तार के प्रभारी **श्री बसंत मित्तल** ने कहा कि अब आन्ध्र प्रदेश में भी सम्मेलन भली-भांति संगठित हो सकेगा और नये जोश तथा उत्साह के साथ समाज कल्याण के कार्य कर सकेगा।

अपने सर्वसम्मत निर्वाचन पर सभी उपस्थितों का आभार व्यक्त करते हुए **श्री चांदमल अग्रवाल** ने कहा कि वे आन्ध्र प्रदेश में सम्मेलन के संगठन-विस्तार एवं समाजहित हेतु हर सम्भव प्रयास करेंगे।

पदभारग्रहण समारोह

२८ जुलाई २०१९ को विशाखापट्टनम् स्थित ह्वाईट हाउस होटल में एक भव्य शपथग्रहण समारोह का आयोजन हुआ। शपथग्रहण समारोह से पूर्व एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित हुई जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ एवं उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने सम्मेलन के इतिहास, उद्देश्यों और कार्यक्रमों पर संवाददाताओं से विस्तृत चर्चा की। स्थानीय हिन्दी, तेलगू और अंग्रेजी समाचार-पत्रों और टीवी चैनलों पर सम्मेलन एवं इसके समारोह पर काफी समाचार प्रकाशित-प्रसारित हुए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने केन्द्रीय पदाधिकारियों, आन्ध्र सम्मेलन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री चांदमल अग्रवाल एवं स्थानीय वरिष्ठ समाजबंधुओं के साथ मिलकर दीप-प्रज्ज्वलन कर समारोह का शुभारम्भ किया। **श्री मुरारीलाल लढानिया** ने मारवाड़ी भाषा में गणेश वंदना एवं स्वागत-गीत प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन गाड़ोदिया, संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल एवं दक्षिण भारत में सम्मेलन के संगठन-विस्तार के प्रभारी श्री बसंत मित्तल ने अपने वक्तव्यों में सम्मेलन-स्थापना की पृष्ठभूमि, सम्मेलन के इतिहास, कार्यक्रमों, गतिविधियों, उपलब्धियों एवं भावी योजनाओं का विशद विवरण प्रस्तुत किया। श्री मित्तल ने अत्यंत कुशलतापूर्वक समारोह का संचालन भी किया।

शपथग्रहण

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने पारम्परिक ढंग से श्री चांदमल अग्रवाल को आन्ध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। शपथग्रहण के बाद श्री अग्रवाल ने प्रादेशिक सम्मेलन हेतु मनोनीत पदाधिकारियों - उपाध्यक्षगण श्री शंकरलाल शर्मा (गरिविड़ि), श्री महेन्द्र तातेड (विशाखापट्टनम) एवं श्री मनोज गुप्ता (तिरुपति), महामंत्री श्री बिजय अग्रवाल (विशाखापट्टनम), सहसचिव श्री वेणुगोपाल आसोपा (श्रीहरिपुरम), कोषाध्यक्ष सी.ए. श्री संजय अग्रवाल (विशाखापट्टनम) तथा कार्यकारिणी सदस्यों - सर्वश्री पवनकुमार कांसरिया, दिनेश अग्रवाल, डॉ. नारायण अग्रवाल, संजय गोयल, बाबूलाल पोद्दार, गिरधारीलाल अग्रवाल, नरेन्द्र भंसाली का परिचय कराया। उन्होंने कहा कि आन्ध्र प्रदेश में तेरह जिले हैं। मैं अपने पदाधिकारियों के साथ मिलकर सभी जिलों का दौरा करूँगा और वहाँ के समाजबंधुओं से सम्पर्क-समन्वय कर शाखाएँ स्थापित करूँगा ताकि सम्मेलन सभी स्थानों तक पहुँच कर समाजसेवा की अलख जगा सके।

केन्द्रीय एवं आन्ध्र के मनोनीत पदाधिकारियों के साथ श्री चांदमल अग्रवाल।

सर्वश्री शेखर खंडेलवाल, रवि अग्रवाल, संजय अग्रवाल एवं संजय गोयल ने अतिथियों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। सर्वश्री एन.एन. नागेश्वर राव (सचिव, उत्तरान्ध्रा जर्नलिस्ट फ्रंट), पवनकुमार कांसरिया, सुनील चौधरी, सुनील कुमार बालासरिया, ज्वाला प्रसाद चौधरी, संजय मारू, संतोष बुच्चा, अशोक अग्रवाल, बिमलकुमार बंसल, संजय अग्रवाल, बिजय अग्रवाल, संजय गोयल, बिजेन्द्रकुमार गुप्ता, दिलीप गाडिया, शंकरलाल शर्मा

आदि ने भव्य एवं गरिमामयी ढंग से राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं अतिथिओं का स्वागत किया।

श्री संतोष सराफ एवं श्री चांदमल अग्रवाल को सम्मानित करते उत्तरान्ध्रा जर्नलिस्ट फ्रन्ट के सचिव श्री एन. एन. नागेश्वर राव।

राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने आन्ध्र प्रदेश सम्मेलन के सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत वरिष्ठ समाजबंधुओं सर्वश्री किशनलाल चौधरी, सुमन प्रकाश सरावगी एवं कन्हैया लाल पारख तथा श्री मुरारीलाल लाढ़निया का सम्मान किया।

(बायें से) श्री संतोष सराफ एवं श्री किशनलाल चौधरी; श्री गोवर्धन गाड़ोदिया एवं श्री सुमन प्रकाश सरावगी; श्री गोपाल अग्रवाल एवं श्री कन्हैया लाल पारख; श्री बसंत मित्तल एवं श्री मुरारीलाल लाढ़निया।

समारोह के अंत में, धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रादेशिक महामंत्री श्री बिजय अग्रवाल ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हमें समाजसेवा का अवसर एवं दायित्व प्राप्त हुआ है। हम यथासम्भव प्रयत्न करेंगे और विश्वास है कि सफलता हमें अवश्य मिलेगी।

चांदमल अग्रवाल : संक्षिप्त जीवन-परिचय

श्री चांदमल अग्रवाल का जन्म ०३ मई १९५८ को आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के गेरिविड़ि (श्रीरामनगर) मे हुआ। उनका परिवार मूलतः राजस्थान के सीकर जिले के रीगंस ग्राम से है। उनके पिताश्री जगदीश प्रसाद और माता श्रीमती भीकी देवी थे।

आपने महाराष्ट्र के भंडारा जिले के ग्राम तुमसर तथा गेरिविड़ि से शिक्षा पाई। इसके बाद व्यवसाय व समाज सेवा में जुट गये। वर्ष १९८० में अपने मामाश्री स्व. श्री नथमलजी सुरेखा के पास विशाखापट्टनम् से थोक रेडिमेड कपड़े का व्यवसाय प्रारंभ किया और सफलता के सोपान चढ़ते गये।

मात्र २० वर्ष की आयु में समाज सेवा की भावना इनमें जागृत हुई और वर्ष १९७८-७९ में लियो क्लब आफ श्रीरामनगर के सचिव व १९८०-८१ में अध्यक्ष मनोनीत किये गये। वर्तमान में ये अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की आंध्र प्रदेश इकाई के अध्यक्ष हैं तथा विशाखापट्टनम् से "कालका संदेश" नामक राष्ट्रीय पत्रिका का प्रकाशन व सम्पादन कर रहे है।

श्री चांदमलजी की जीवन यात्रा में समाज सेवा के अनेक पड़ाव हैं, जिनमें उनकी सेवा भावना और कार्य के प्रति लगन व निष्ठा की झलक मिलती है। वर्ष १९९१ से ९४ तक वे विशाखापट्टनम् क्लॉथ मर्चेंट एसोसियेशन के सहसचिव, १९९२-९४ में राजस्थानी सांस्कृतिक मंडल विशाखापट्टनम् के कोषाध्यक्ष, १९९५ से २०१४ तक दि इंडियन वेजिटेरियन कांग्रेस के सचिव, सत्र १९९८-९९ के लिए लायंस क्लब विशाखापट्टनम् के अध्यक्ष, १९९८-९९ में विशिखापट्टनम् टेलिफोन एडवाजरी कमेटी के सदस्य, २००३-०५ में ट्रेड व कामर्स सेल विशाखापट्टनम् के संयोजक, २००५-०७ विशाखा रोड सेफ्टी काउंसिल के कोषाध्यक्ष, २००७-०९ अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष, २०१३-१८ तक लगातार दो बार राजस्थानी सांस्कृतिक मंडल के निर्विरोध अध्यक्ष रहे और अपने कर्तव्यो का सफलतापूर्वक निर्वहन किया।

वर्ष २००० में विशाखा प्रेम सागर ट्रस्ट के संस्थापक न्यासी व अध्यक्ष बने तथा विशाखापट्टनम् में खाटूवाले श्रीश्याम बाबा मंदिर स्थापना की नींव रखी। इसकी स्थापना हेतु नवंबर २००२ से फरवरी २००३ तक २,५०० कि.मी. की पदयात्रा की। श्री अग्रवाल बच्चों के निःशुल्क नेत्र-परीक्षण प्राकृतिक आपदा-प्रभावितों को सहयोग, गरीब कन्याओं के विवाह हेतु सहयोग, प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को शिक्षा में सहयोग, सामाजिक भवनों-गोशालाओं के निर्माण-जीर्णोद्धार, विकलांगों की सहायता, आदि सामाजिक-धार्मिक सुकृत्यों में संलग्न हैं और अनेक सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं से जुड़े हैं।

पत्नी श्रीमती प्रेमलता, २ पुत्र-पुत्रवधु, २ पौत्र व २ पौत्रिया व १ बिटिया-दामाद के भरे-पूरे परिवार के साथ आप विशाखापट्टनम् में निवास करते हैं।

समाज के विद्यार्थियों की प्रगति प्रशंसनीय : मनोज अग्रवाल, आई.ए.एस.

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गत २२ जून २०१९ को कला मंदिर प्रेक्षागृह में प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह में करीब ४०० विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट, मेमेन्टो व उपहार देकर सम्मानित किया गया। समारोह में छात्र-छात्राएँ व उनके अभिभावक, प्रशासनिक अधिकारीगण, समाज के विशिष्ट उद्योगपति-समाजसेवी के अलावा सम्मेलन के सदस्यगण उपस्थित थे। "विद्यार्थियों को आज हर क्षेत्र में बेहतर करते देखा जा रहा है। कुछ बच्चे समाज के लिये काम करने के इच्छुक होते हैं। ऐसे इच्छुक बच्चों को प्रशासनिक सेवा में जाने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि प्रशासन समाज के लिए काम करने के कई अवसर प्रदान करता है।" ये बातें कार्यक्रम के प्रधान अतिथि आइएएस श्री मनोज अग्रवाल ने अपने वक्तव्य में कही। कार्यक्रम के अतिथि आइपीएस श्री विनीत गोयल ने कहा कि हर बच्चे में एक विशिष्ट प्रतिभा छिपी होती है, हमें उसे उभारने की आवश्यकता है। जिस कार्य को करने में वह दिलचस्पी लेते हैं, हमें उन्हें वही करने देना चाहिये। कार्यक्रम के प्रधान वक्ता व अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि आज बढ़ती प्रतिस्पर्धा के युग में बच्चों पर पढ़ाई का काफी दबाव देखने को मिल रहा है। जिससे बच्चे आत्महत्या की ओर अग्रसर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज की शिक्षापद्धति भी ऐसी हो गयी है कि कम नंबर लाने वाले बच्चों को जल्दी कहीं एडमिशन नहीं मिलता। ऐसी परिस्थिति में शिक्षा पद्धति में मूलभूत परिवर्तन की आवश्यकता है, वरना आने वाली परिस्थिति काफी भयावह हो सकती है। उन्होंने अपील की कि समाज के लोग कला, साहित्य, खेल इत्यादि में आगे बढ़नेवाले छात्रों को भी सम्मानित करें। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने कहा कि मारवाड़ी समाज के बच्चे परंपरागत व्यवसाय से हट कर अन्य क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रहे हैं। आज बेटियाँ बेटों से बेहतर प्रदर्शन कर रही है। पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नन्द किशोर अग्रवाल ने कहा कि संस्था की ओर से प्रयास किया जा रहा है कि बच्चे संस्कार और अपनी भाषा से जुड़ें। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य एक अच्छा नागरिक बनने के साथ-साथ अपने माता-पिता, गुरू और बड़ों का सम्मान करना भी है। इस अवसर पर उद्योगपति व समारोह के विशिष्ट अतिथि श्री विश्वनाथ सेकसरिया, उद्योगपति व समारोह के विशिष्ट अतिथि श्री बृजमोहन बेरीवाल, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार एवं समारोह के विशिष्टसंयोजक श्री शिव कुमार सराफ ने भी अपने वक्तव्य रखे। कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट सहयोग के लिए श्री नंद किशोर पसारी (रेमंड पोद्दार कोर्ट), श्री लक्ष्मीकान्त तिवारी, राष्ट्रीय महामंत्री श्री गोपाल झुनझुनवाला, श्री रतनलाल अग्रवाल, श्री बृजमोहन गाड़ोदिया, श्री दीनदयाल गुप्ता, श्री मनोज गुप्ता एवं श्री राजकुमार गुप्ता को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष श्री विश्वनाथ खरकिया, श्री निर्मल सराफ, श्री शिव कुमार सराफ, महामंत्री श्री शिवकुमार अग्रवाल, संगठन मंत्री श्री गोपी धुवालिया, सहमंत्री श्री कमल सरावगी, श्री पंकज केडिया, कोषाध्यक्ष श्री सुनील डोकानिया, सह कोषाध्यक्ष श्री रूपक केडिया, सलाहकार समिति के श्री विश्वनाथ भुवालका, सर्वश्री चंद्रशेखर सारदा, आकाश गुप्ता, नारायण प्रसाद अग्रवाला, वेद प्रकाश जोशी, नितिन अग्रवाल, अभिषेक डोकानियां, विवेक अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, राजन खंडेलवाल, सुजीत जालान, अनिल डालमिया, राजेश खैतान, पारस अग्रवाल, संजय अग्रवाल, मनोज सराफ, दीपक खेतावत, महेंद्र सोनी, दिनेश अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, अमित अग्रवाल, बसंत गद्यान आदि ने सक्रिय भूमिका निभायी।

Krishi Rasayan Group

29, Lala Lajpat Rai Sarani (Elgin Road),
Kolkata - 700020, West-Bengal, India
www.krishirasayan.com
E-mail: atul@krishirasayan.com
Telephone: +91-33-71081010/11

With more than 50 years of experience in the agro-chemical business and being one of the oldest and leading agrochemical companies of India, **Krishi Rasayan** is touching new heights with each passing day.

The continuous process of upgradation, development and inherent changes according to the market requirements have helped **Krishi Rasayan** become a leader in the domestic circuit. **Krishi Rasayan** is expanding word-wide with exports and overseas registrations focusing on South-East Asia, Africa, Middle-East, CIS and Latin America.

Krishi Rasayan has 8 multi-location manufacturing plants in different parts of India and has 5 overseas subsidiaries.

It also boasts of having contract technical manufacturing units in India manufacturing Pretilachlor, Ethephon, Cypermethrin, Profenofos, Imidacloprid, Thiamethoxam, Metalaxyl, Metribuzin, Acetamiprid, Glyphosate, Tricyclazole, Butachlor, Emamectin benzoate, Difenconazole and Chlorpyriphos.

Additional technical products to be added are under process. The company has technical tie-ups and contract manufacturing with various companies in China and also has an office in Shanghai, China.

The company has many products including formulations such as EC, SC, WDG, SP, GR, EW and CS

Krishi Rasayan specializes in many combination products & bio-products. GLP data are available for most of the products; both 5-batch and 6-pack study.

Insecticides:

Deltamethrin 1% + Triazofos 35% EC, Profenofos 40% + Cypermethrin 4% EC, Ethion 40% + Cypermethrin 4% EC, Chlorpyriphos 50% + Cypermethrin 5% EC, Acephate 25% + Fenvalerate 3% EC, Buprofezin 15% + Acephate 35% WP, Profenofos 20% + Cypermethrin 2% EC, Deltamethrin 2.5% + Permethrin 2.5% EC, and many other forumlations available.

Fungicides:

Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP, Carboxin 37.5% + Thiram 37.5% DS, Carbendazim 12% + Mancozeb 63% WP, Streptomycin sulphate + Tetracycline hydrochloride (90:10), Iprodione 25% + Carbendazim 25% WP, Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP, etc

Weedicides:

Metsulfuron methyl 10% + Chlorimuron ethyl 10% WP & other formulations available.

PGR's:

6BA, Amino Acids, Ethephon, Gibberallic Acid, Hydrogen Cynamide, Tricontanol

Bio-Products:

Bacillus thuringiensis var kurstaki 7.5% WP, Trichoderma harzianum 2% WP, Trichoderma viride 1% WP, Pseudomonas fluorescens 0.5% WP, Neem Oil, Azadirachtin, Beauveria bassiana 1.15% WP, Verticillium lecani 1.15% WP and other formulations available.

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
  - **Radiology**
    - Digital X-Ray
    - Ultrasonography
    - Colour Doppler Study
  - **Cardiology**
    - ECG
    - Echo-Cardiography
    - Echo-Colour Doppler
    - Holter Monitoring
    - Treadmill Test (TMT)
    - Pulmonary Function Test (PFT)
  - **Neurology**
    - EMG
    - NCV
    - EEG
  - **Gastro Enterology:**
    - UGI Endoscopy
    - Colonoscopy
- **Dental General & Cosmetic**
- **Sleep Study (PSG)**
- **Eye Care Clinic**
- **Ent Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Consultation with leading Specialists**
- **Physiotherapy**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Comprehensive Health Check-up Programmes**
- **Diabetes Care Clinic**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 98300 19073, 97481 22475

98300 19073

Consultation | Diagnostics | Dentistry | Health Checks

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

The Apollo Clinic

P-72, Prince Anwar Shah Road, Kolkata-700 045
Email : pashahroad@theapolloclinic.com

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

HAPPINESS COMES IN MANY COLOURS. FIND YOURS IN THE Happy Rainbow Box.

SREI
Together We Make Tomorrow Happen

Srei, since three decades, has been in the business of financing infrastructure, developing projects and empowering entrepreneurs. Our Happy Rainbow Box is a collection of such happy and optimistic thoughts that have the potential to change the world for the better.

Infrastructure Project & Equipment Finance | Medical, IT, Agriculture & Mining Equipment Finance | Infrastructure Project Advisory, Development & Investments | Investment Banking | Insurance Broking

Log on to www.happyrainbowbox.com and #SpreadTheHappy

L&K | SAATCHI & SAATCHI

ISO 9001
Certified
ORR
TECHNOLOGY
SKIPPER
PIPES
"FIXED FOR LIFE"
COMPLETE RANGE OF PIPES & FITTINGS
CPVC | UPVC | SWR | UGD | HDPE | BOREWELL | AGRICULTURE
www.skipperlimited.com | Toll Free : 1800 120 6842

With Best compliments From

M/s. A. P. Credit Pvt. Ltd.

3/1, Dr. U. N. Brahmachari Street

Kolkata-700017

Ph: 033-22871221/1224

Rungta Mines Limited
Chaibasa
S R RUNGTA GROUP
RUNGTA STEEL™
SOLID STEEL
• Superior Technology
• Greater Strength
• Extreme Flexibility
500D
TMT REBARS
STEEL DIVISION
RUNGTA CHAMBERS
S.M.H.M.V. COMPLEX, CHAIBASA -833201
WEST SINGHBHUM, JHARKHAND, INDIA
Contact :
+91-6582-255261/ 361
+91-7008-012240
tmtmkt@rungtamines.com
csp@rungtamines.com
Approved by IS 1786:2008
Lic.No.-CM/L 5800021706
Approved by IS 2830:2012
Lic.No.-CM/L 5800007712

समाचार सार

रवि पुरोहित को पुरस्कार

आशुकवि रतनलाल ब्यास साहित्यिक संस्थान फलोदी (जोधपुर) द्वारा राजस्थान में प्रदेश स्तरीय साहित्यिक श्रेष्ठ सृजन व सेवा, निष्ठा व समर्पण के लिये दिये जानेवाला सम्मान, संस्थान द्वारा इस वर्ष वरिष्ठ, मूर्धन्य साहित्यकार **श्री रवि पुरोहित (बीकानेर)** को देने की घोषणा की गई है। पुरस्कारस्वरूप श्री पुरोहित को सम्मान पत्र, मेमेंटो श्रीफल एवं ११००० रुपया नगद दिया जायगा। ज्ञातव्य है श्री पुरोहित को गत वर्ष सम्मेलन द्वारा श्री सीताराम रुंगटा राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया था। श्री पुरोहित का इस सम्मान के लिये वधाई!

बांकुड़ा शाखा का स्वतंत्रता-दिवस समारोह

कोलकाता के ईशान अग्रवाल की अतिविशिष्ट उपलब्धि

कोलकाता के सेंट जेम्स स्कूल के छात्र **ईशान अग्रवाल** ने SAT2, Maths2, SAT2 Physics, SAT2 Chemistry, TOFF Libt एवं GRE में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं। इशान ने अत्यंत ही विलक्षण प्रतिभा का प्रदर्शन किया है, जिसकी मिसाल नहीं के बराबर है। सम्मेलन की ओर से इशान को वधाई एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगलकामनाएँ!

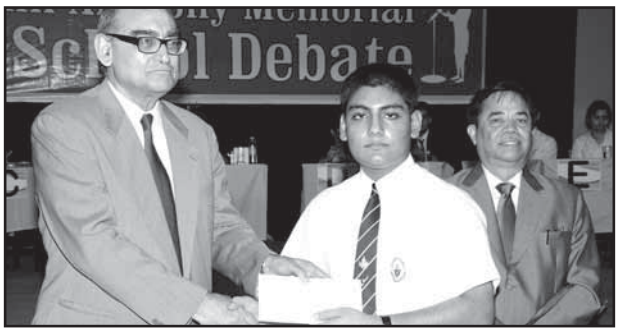

मिंती अग्रवाल को युद्ध सेवा पदक

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय वायु सेना की स्क्वाड्रन लीडर मिंती अग्रवाल को युद्ध सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। गत २६ एवं २७ फरवरी को पाकिस्तान के लडाकू विमानों के साथ हुए हवाई युद्ध में उन्होंने लडाकू विमान-चालकों को दिशा निर्देश देते हुए भाग लिया था। २७ फरवरी को विंग कमांडर अभिनंदन के साथ वे लगातार सम्पर्क बनाये हुए थी। मिंती अग्रवाल सात लडाकू संचालकों (कंन्ट्रोलर) के दल में से एक थी। ज्ञातव्य है कि विंग कमांडर अभिनंदन ने ही पाकिस्तान के एफ-१६ लडाकू विमान को मार गिराया था। दुश्मन के विमानों की स्थिति एवं पोस्चर के विषय को लगातार पाइलट को सूचना देती रही, जिसके कारण अभिनंदन को सफलता मिल सकी। सम्मेलन की ओर से मिंती अग्रवाल को हार्दिक बधाई!

राजस्थानी व्यंजन

जोधपुर मे प्रतिदिन एक लाख 'मिर्ची बड़ा' की खपत

जोधपुर शहर राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। यह अपनी वास्तुकला एवं विरासत के लिये प्रसिद्ध है। यह शहर अपने महलों, मंदिरों, हवेलियों एवं घरों के लिये जाना जाता है, जो कि नीले रंग से रंगे गये हैं। जोधपुर अपने विशेष व्यंजनो के लिए भी प्रसिद्ध है। इन्हीं में से एक जोधपुर का 'मिर्ची बड़ा' अत्यंत प्रसिद्ध व्यंजन है। राजस्थान पत्रिका ने हाल ही में एक समाचार में बताया है कि यह व्यंजन शहर में इतना जनप्रिय है कि प्रतिदिन उसकी खपत ७५ हजार की होती है। बरसात के दिनों में यह संख्या १ लाख पहुँच जाती है। शहर में १००० से अधिक मिर्ची बड़ा बनाकर बिक्री करने वाले विक्रेता हैं। शहर में ७० से ८० दुकानें हैं जिन्हें परामपरागत मिर्ची बड़ा बनाने में महारत हासिल है। इनमें अधिकांश विक्रेताओं का व्यापार मिर्ची बड़ा पर ही निर्भर है। यहाँ तक कि मिठाई की दुकानें भी आजकल मिर्ची बड़ा बेचने लगी हैं। यह व्यंजन अमीर एवं गरीब सभी का मनपसंद है।

राजस्थान की बेटियाँ

- ताऊ शेखावाटी

छोरो बोल्यो- चालैगी के?
छोरी पूछ्यो- कड्डै ?
छोरो बोल्यो- प्रश्न मताँ कर
मैं ले चालूँ बड्डै

छोरी बोली- कोनी चालूँ
छोरो बाल्यो क्यूँ?
छोरी बोली- प्रश्न मताँ कर
मेरी मरजी ज्यूँ

फेरूँ भी जे चावै है मैं
बात मान ल्यूँ तेरी
पैल्यों भर तेरै हाथों
सिन्दूर माँग में मेरी

फेर चाल, ले चाल कठै भी
जठै तेरो जी चावै
जद छोरो बोल्यो- इतणी
गहराई में क्यूँ जावै?

वेलेन्टाइन डे है आज्या
झूंमों, नाचों, गावों
सगळा सागै आपाँ भी चल
मिलकै मौज मनावाँ

शादी करणो खेल नहीं है
बात मानले मेरी
छोरी बोली- फेर अठै नीं
दाल गळैली तेरी

वेलेन्टाइन डे मनाणियाँ
थाँ सा चरा-चराकी
नित छोडों म्हे हाँ बेट्याँ ई
राजस्थान धरा की

म्हारै सँग यूँ मन वहलाणो
कोई खेल नहीं है
छोरो गयो समझ आँ तिल्लाँ
मांई तेल नहीं है

समाचार सार

उपयोगी पुस्तिका 'नेग-चार' प्रकाशित

हाल ही में बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने समाज के विभिन्न रीति-रिवाज पर एक निर्देशिका 'नेग-चार' प्रकाशित किया है। यह ८४ पेज की पुस्तिका है, जिसमें समाज के सभी नेगचार पालन के विषय में विषद विवरण दिया गया है। प्रादेशिक सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री विनोद तोदी** ने बताया कि जानकारी के अभाव में हम अपने रीति रिवाज से दूर होते जा रहे है। इसी कमी को दूर करने के उद्देश्य से यह पुस्तक का प्रकाशन किया गया है। उन्होंने कहा कि समाजबंधुओं को यह पुस्तिका निःशुल्क उपलब्ध करवाई जायगी। अधिक जानकारी के लिये माबाइल ९३३४१११३४५ पर सम्पर्क किया जा सकता है।

लोग हँसै तो हँसणै दे

लेकर कंरजो खायों जा
सब रो माल पचायाँ जा
कोई करजो पाछो मांगै
बीं नैं आँख दिखायाँ जा

जद तक तेल मिलै फोकट रो
सुख रो दीयो चसणै दै।
लोग हँसै तो हँसणै दे।।

लोगाँ नैं भड़कातो चल
आपस में लड़वातो चल
कदै-कदै जे लट्ठ चलै तो
अपणी टाट बचातो चल

खुद नैं राख सुरक्षित
दुनियाँ नैं पताळ में धँसणै दे।
लोग हँसै तो हँसणै दे।।

रख ऊँचो आदर्श सदाँ
मोटो सोच-विमर्स सदाँ
तकतो रैया कर लोगाँ रो
वजनी बटुवो-पर्स सदाँ

जद भी और जठै भी मिलज्या,
मोटी मुर्गी फँसणै दे।
लोग हँसै तो हँसणै दे।।

खातो-पीतो पळतो रै
हँसतो-गातो चलतो रै
मूंग दूसरों री छाती पर
साँझ-सवेरै दळतो रै

दुनियाँ नैं झींकण दे चाए
जमकै तानो कसणै दे।
लोग हँसै तो हँसणै दे।।

कोठी, बैंगलो, कार बणा
अेक नहीं दो-च्यार बणा
जठै चवन्नी चलै बठै ही
तूँ अपणो अधिकार जणा

स्वारथ रो सिंगल मिलताँ हीं
अपणी गाडी हँकणै दे।
लोग हँसै तो हँसणै दे।।

दाम कूट अर मस्ती कर
ऊँची अपणी हस्ती कर
निज उल्लू सीधो करणै में
बदनामीं स्यूँ मतना डर

हलवो खाताँ-खाताँ भी जे
जाड़ घँसै तो घँसणै दे।
लोग हँसै तो हँसणै दे।।

कहाणी

अेकली

– राजेन्द्र जोशी

शांति बैनजी आज सौ बरस लिया!

म्हहै साम्हीं बरसां पैली री केई केई बातां किणी फिल्म री रील दांई आंखां बारकर घूमण लागी। लोगां बिचाळै आज ई किणी कहाणी रूप आ बात चावी है कै गांव मांय मोटारामजी टाबरां नै स्कूल भेजण रा ठाडा हिमायती हा। वां आपरै तीनूं टाबरा- रामनाथ, सदासुख अर रेवती नैं स्कूल मांय सगळा सूं पैली भरती करवाया, अर तंगी थकां ई फीस ई बगत-बगत माथै भरता। जे माइत ध्यान राखै तो टाबर ई कसर क्यूं राखै, तीनूं टाबर पढ़ण-लिखण मांय खासा हुस्यार हा।

सुख रो टैम घणो बेगो जावै अर चेतै करां तद ई विचारां मांय टैम पलक रै परूकै उत्ती जेज है कै ठाह ई नीं पड़ै ओळूं कठै सूं कठै पूग जावै। बगत डाकतो-डाकतो उण दिन नै आंख्यां साम्हीं लाय ऊभो करियो जद रामनाथ अर सदासुख राज री नौकरी लागग्या... मोटारामजी अर गांवा वाळा रै हरख रो पार नीं हो.. संजोग ओ सज्यो कै दोनूं छोरा मास्टर लागग्या... रामनाथ तो गांव सूं दस-ग्यारा कोस अळघै गांव मांय अर सदासुख शहर मांय टाबरां नै भणावण लाग्या। नौकरी सूं पैली ई घणा ई मांगा आवता हा सो नौकरी पछै किण बात री जेज ही... मोटारामजी सावळ देख'र सगपण करियो अर बेगो ई ब्यांव कर जाणै नक्की हुयग्या।

ब्यांव पछै रामनाथ तो रोज गांव आवाणो-जावणो करण लाग्यो पण सदासुख खातर आ बिध बैठणी संभव कोनी ही। उण नै शहर मांय रैवणो पड़तो अर वार-तिंवार का छुट्टी हुयां ई गांव आवणो हुआ करतो। घर मांय प्रेम हो अर गांव मांय रुतबो ई पूरो हो। सदासुख री बीनणी गांव मांय अर बो खुद शहर मांय आपरी रोटी सेकतो। इयां करता करता छव-सात बरस तो फुर हुयग्या।

सदासुख आपरी लुगाई नै शहर लावण री सोचा-विचारी में हो अर कोई बिध बैठती इण सूं पैली ई संजोग सूं अेक दिन स्कूल सूं घरै आवती बगत उण रो अैक्सीडेंट हुयग्यो अर सदा खातर आपरा सुपनां लिया बो चालतो रैयो। गांव मांय इण अजोगती घट ना सूं घणो दुख हुयो अर घर-परिवार आळा रै बस में कांई हो?

कोई कपड़ो फाटै तो उण रै कारी ई लागै। भगवान री इण मांय आगै किण रो बस। दुख भेळै दुख आवै, होळै होळै गांव मांय सदासुख री बीनणी शांति अर उण रै बेटै पीयूष साथै घर आळा रो बरताव बदळण लाग्यो। अबै अेक तो जिका पइसा सदासुख भेजतो बै बंद हुयग्या अर दूजी अबै जिकी पेंशन आवती उण मांय घर रा खाडा बूरीजणा जाणै बंद हुयग्या हा। मोटारामजी रै सुभाव में बेटै रै नीं रैवण रो दुख अर दूजी उमर री अबखायां उणा नै चिड़चिड़ो बणा दियो। लुगायां बिचाळै बै कांई बोलै अर कांई नीं बोलै, वां नै कीं समझ नीं आवती।

मोटारामजी नै शांति साथै हुवण वालो व्यवहार चोखो नीं लागतो.. पण कीं तो खुद री बीमारी अर कीं बहू-पोतै खातर परिवार मांय बदळतै समीकरणां सूं जीव मांय मुसीजती। शांति री आपरै सुसरै री सेवा-चाकरी में रत्ती भर ई कमी कोनी आई... बा पैलां दांई घर मांय खटती अर पैलां सूं बेसी ई खटती फेर ई घर मांय उण रो खटणो दूजो नै बेराजी क्यूं करण लाग्यो... इण री ठाह नीं लागी।

गांव मांय अेक दिन कैम्प लाग्यो जिण मांय सरपंच साब मोटारामजी नै शांति बाबत बात करण री चेतै आई। दूजै ब्यांव करण री का उण नै खुद रै पगां ऊभी करण री दोधाचींत सरपंच साब साम्हीं राखी। सरपंच साब कैयो कै शांति रो किणी छोट ी-मोटी नौकरी खातर फारम भरवावणो चाइजै अर बा जे काम करसी तो उण रो मन ई लाग्यो रैसी। शांति पच्चीस-छब्बीस बरसां री ही अर खावतै-पीवतै परिवार सूं हुवण री वजै सूं दीखण मांय फूटरी-फरी दीखती ही। उण नै देख'र कोई कैय ई नीं सकतो हो कै उण रो सुहाग राम भरी जवानी मांय ई उजाड़ दियो हुसी।

नौकरी बात आई तद तहसीलदार साम्हीं शांति नै लाया अर ओ राज खुल्यो कै शांति बी.अे. पास है। आ जाणकारी मोट ारामजी नै ई नीं ही के बहू इत्ती पढ़ी-लिखी है वै तो बस सगै नै देख'र सगपण कर लियो अर ब्यांव पछै ई इण ढाळै री कोई बात बां रै ध्यान मांय नीं आई। तहसीलदार जी रै कैया-सुण्यां सूं जाणै लोटरी हाथ लागगी। शांति नै मोटारामजी शहर लेयग्या अर सदासुख री ठौड़ नौकरी री तजबीज करण री खेचळ करी। सेवट मास्टर सदासुख री जागा शांति नै मास्टरनी लगाण री खुस-खबरी गांव पूगी। जिण स्कूल में शांति नौकरी लागी उण रै नेड़ै ई अेक घर भाडै रो लियो अर शहर रैवणो उण री मजबूरी हुयगी। मा-बेटी शहर रैवण लाग्या अर पीयूष गांव री ठौड़ शहर मांय स्कूल जावण लाग्यो।

मा-बेटै रो शहर मांय मन लागग्यो। होळै होळै शांति रो जस चौफर पूग्यो अर स्कूल मांय भणाई करणियां खूब हुयग्या। ओ मास्टरनी शांति री मेहनत रो जस हो कै उण स्कूल नै लोग-बाग शांति बैनजी री स्कूल नांव सूं ओळखण लाग्या। इण जस भेळै शांति रै पांती केई लोगां री दुसमणी ई आई। शांति बैनजी रै स्कूल रै जस सूं बीजै स्कूलां रा मास्टर-मास्टरनियां मांय बिना करिया ई बैर उपजण लाग्यो।

भगवान नै जाणै विधवा शांति बैनजी री करणी माथै तरस आयो अर जाणै दुख रा दिन सुख रा आवण हुया। बेटै पीयूष नै डागदर री भणाई मांय लैण मिलगी। शांति री सासू अर बीजा रिस्तैदार ई कदैई कदम-काळ ई शहर ढूकता पण सुसरो

मोटारामजी कदैई कदैई रळी आवती जद गडको काढ जावता। दादै-पोतै मांय घणो हेत हो।

तहसीलदार री किरपा ई शांति माथै सदा सूं रैयी अर बै वार-तिवार जद मौको लागतो शांति सूं मिला। मीलण रो कोई मौको नीं चूकता! दोनूं कानी सूं अपणायत जाणै किणी गीत मांय बदळण नै तैयार ऊभी ही, पण ना कीं तहसीलदार कैयो अर ना शांति। दौनूं बिचाळै इण बाबत बरसां सूं मून हो। शांति साम्हीं अेक दिन बो टैम ई आयो कै उण नै तहसीलदार जी नै साफ-साफ मना करणो पड़ियो के आ बात ठीक कोनी। शांति जिकी बात नै ठीक समझी बा ही बाळकां री सेवा, उणा री मदद करणी। पढावण-लिखावण मांय जाणै पूरी जान लगा दी। स्कूल रै टैम पछै ई स्कूल रै टाबरां सूं माथो मारती रैवती। बिना फीस रै गरीब टाबरां नै भणावण री बात उण हलकै मांय सगळा री जाणकारी मांय ही।

शांति बैनजी नै उणा री सेवावां खातर केई संस्थावां अर राज कानी सूं सम्मानित करण रा दिन ई आया। हरेक अवसर माथै शांति बैनजी कैया करता- देखो म्हैं म्हारी नौकरी करूं... जिम्मेदारी निभाऊं.. किणी माथै अैसान थोड़ी करूं... म्हैं आपरो ओ सम्मान नीं लेय सकूं..। अेक दिन पांच सितम्बर माथै सम्मान री खबर आई जिण मांय शांति बैनजी री नांव हो। दिल्ली जावण री बधाई देवण नै म्हैं ई शांति बैनजी रै घरै गयो। बधाई री खबर मोटारामजी तांई ई पूगी।

केई सवाल साम्हीं हा

- शांति बैनजी अबै तो आपरो पीयूष डागदर बणग्यो है उण रै ब्यांव बाबत आप कांई सोच्यो है?

- अर मास्टरजी अबै करस्या। म्हैं तो छोरै नै कैय दियो कै कोई छोरी पसंद है तो बता दे उणी सूं फेरा करां दा।

अर सोची जिकी ई हुई

- मम्मी-मम्मी

- हां बोल बेटा.. बेगो बोल म्हरै स्कूल नै देर हुवै।

- मम्मी इसी खबर है के आप नै देर नीं हुवैला

- बोल तो सरी... चोखी खबर मांय ई इत्ती देर क्यूं लगावै?

- मम्मी म्हैं आपरै खातर बहू देख ली है

मा बेटे नै गळै लगा लियो अर आंख्यां सूं आंसू आवण लाग्या

- मम्मी जी ओ काई..

- नीं बेटा... हरख वावळो हुवै... हरख रा आंसू है। आज थारै पापा री याद आयगी।

पीयूष रै साथै ई डागदरी री पढाई करण आळी अेक छोरी सूं उण रो ब्यांव ई राजी-खुशी हुयग्यो।

ब्यांव शहर में हुयो अर जोरदार हुयो.. रिस्तैदारां नै जिका नै आवणो हो आयग्या अर नीं आया जिका नीं आया। सुसरो मोट ारामजी आयग्या मतलब सगळा आयग्या।

शांति बैनजी रै अबै कांई तकलीफ ... डागदर अर डागदरनी बेटो-बहू।

विशेष अनुरोध

समाज विकास में प्रत्येक माह समाज के विभिन्न विषयों पर सामग्री प्रकाशित होती है।

पाठकों से अनुरोध है कि उन विषयों पर अपनी राय भेजे।

पत्र डाक, कोरियर या इमेल से भेजा जा सकता है।

Email ID: editorsamajvikas@gmail.com

बेटो-बहू बीजी तो शांति बैनजी इजी। घर री घणी जिम्मेदारी शांति बैनजी पाखती ई रैयगी।

दोय लुगायां बिच्चै खट-पट चालती देख पीयूष रै दौराई कै मा नै भली कैवै कै लुगाई नै। सात-आठ महीना मांय ई खेलो बिगड़ण लागग्यो।

अेक रात बेटे बहू री बातां शांति बैनजी रै कानां पड़ी।

- देखो डार्लिंग आपां दूसरो घर लेय लेवा तो सजी सजी में ठीक रैसी।

- नो मधुरिमा हाऊ दिस पोसिबल। नीं नीं ओ नीं हुय सकै। यदि तुम को प्रोब्लम है तो ट्रांस्फर करा लेते है।

- ओ के डार्लिंग, दिस इज योर प्रोब्लम।

- अेक ही शहर में दो घर अच्छे नहीं लगेंगे।

शांति बैनजी आं बातां नै सुण'र कांई कैवतां।

संजोग रो भळै खेल कै शांति बैनजी शहर मांय अेकला रैयगा। बेटो-बहू बदळी रै ओळावै दूर हटग्या। शांति बैनजी सूं बंतळ करता बां कैयो कै म्हारी किसमत मांय जे राम अेकली रैवणो लिख दियो तो कुण कांई करसी? कहाणीकारजी आ आपरी कहाणी कोनी जीवण है अर जूण मांय संजोग ऊपर आळो लिखै। करमां री रेखावां आगै किण रो जोर।

वाह रै ठाकुर जी थारी लीला अपरमपार। थूं गजब रो कहाणीकार है।

सेवट रिटायरमेंट पछै ई शांति बैनजी रै कांई कमी नीं रैयी। डागदर बेटा अर डागदरणी बहू थका बै अेकला रैया। आखी जूण लोगां नै धोरां दिखता रैया। शांति बैनजी रै कांई कमी।

सदासुख वृद्धाश्रम नांव सूं खुद नै भळै जन सेवा मांय लगावणिया शांतिजी म्हनै किणी देवी सूं कमती कोनी लागै। जे शांति बैनजी आपरी जूण मांय देवी बण'र आया तद समझ कोनी आवै कै आज बां नै सौ बरस कियां पूगग्या? जीवणो-मरणो तो थां-म्हां खातर हुवै, जे देवी-देवता ई जीवण-मरण रै आंटै लाग्या तो जूण अर जगत रो कांई हुसी!

मायड़ भासा बोलता जिण नै आवै लाज
इसै कपूतां सूं दुखी आखौ देस-समाज
– पद्मश्री कन्हैयालाल सेठिया

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

स एष आत्मात्मवतामधीश्वर–
स्त्रयीमयो धर्ममयस्तपोमयः।
गतव्यलीकैरशङ्करादिभि–
र्वितर्क्यलिङ्गो भगवान् प्रसीदताम्।।

वे परमात्मा हैं तथा समस्त स्वरूपसिद्ध पुरुषों के परमेश्वर हैं। साक्षात् वेद, धर्मशास्त्र तथा तपस्या हैं और ब्रह्माजी, शिवजी तथा कपट से रहित समस्त व्यक्तियों द्वारा पूजित हैं। आश्चर्य तथा सम्मान के साथ पूजा पानेवाले भगवान् मुझ पर प्रसन्न हों।

श्रियः पतिर्यज्ञपतिः प्रजापति–
र्धियां पतिर्लोकपतिर्धरापतिः।
पतिर्गतिश्चान्धकवृष्णिसात्वतां
प्रसीदतां मे भगवान् सतां पतिः।।

भगवान् श्रीकृष्ण, जो ऐश्वर्य और बुद्धि के स्वामी, समस्त यज्ञों के निर्देशक, समस्त जीवों के परम अग्रणी अतएव पृथ्वी पर परम अवतार, समस्त लोकों के स्वामी, तथा समस्त भक्तों के पूजनीय स्वामी हैं, यदुवंश के अन्धक तथा वृष्णि जैसे समस्त राजाओं के रक्षक तथा उनके यश हैं, आप मुझ पर कृपा करो।

यदङ्घ्रयभिध्यानसमाधिधौतया
धियानुपश्यन्ति हि तत्वमात्मनः।
वदन्ति चैतत् कवयो यथारूचं
स मे सुकुन्दो भगवान् प्रसीदताम्।।

भगवान् श्रीकृष्ण, जो मुक्ति के दाता हैं। भक्त प्रत्येक क्षण चिन्तन करते हुए तथा महापुरुषों का अनुसरण करते हुए समाधि में परम सत्य का दर्शन कर सकता है। तथापि विद्वान पंडित या दार्शनिक उनके विषय में अपनी सनक के अनुसार सोचता हैं। ऐसे भगवान् मुझ पर प्रसन्न हों।

कृष्ण त्वदीयपदपङ्कजपञ्ज रान्तम्
अद्यैव मे विशतु मानसराजहंसः।
प्राणप्रयाणसमये कफवातपित्तैः
कण्ठावरोधनविधौ स्मरणं कुतस्ते।।

हे भगवान श्रीकृष्ण, मैं प्रार्थना करता हूँ कि मेरा मन रूपी हंस तुरन्त आपके चरणकमल के पंजे के नीचे गिर जाए उनके जाल में उलझ जाए, अन्यथा मेरी अन्तिम श्वास के समय, जब मेरा गला कफ से रूद्ध हो जाएगा, तब भला मैं आपके बारे में सोचने के लिए कैसे सम्भव होगा?

प्रचोदिता येन पुरा सरस्वती
वितन्वताजस्य सतीं स्मृतिं ह्मदि।
स्वलक्षणा प्रादुरभूत् किलास्यतः
स मे ऋषीणामृषभः प्रसीदताम्।।

जिन्होंने सृष्टि के प्रारम्भ में प्रथम सृजित जीव ब्रह्मा के हृदय में शक्तिशाली ज्ञान का विस्तार किया और सृष्टि तथा स्वयं के विषय में पूर्ण ज्ञान की प्रेरणा प्रदान की और जो ब्रह्मा के मुँह से प्रकट हुए प्रतीत हुए, वे भगवान् मुझ पर प्रसन्न हों।

नमस्तस्मै भगवते वासुदेवाय वेधसे।
पपुर्ज्ञानमयं सौम्या यन्मुखाम्बुरूहासवम्।।

मैं भगवान वासुदेव के अवतार श्री व्यासदेव को सादर नमस्कार करता हूँ, जो वैदिक ग्रन्थों के संकलनकर्ता हैं। शुद्ध भक्तगण भगवान् कृष्ण के कमल सदृश मुख से टपकने वाले अमृत से भरे दिव्य ज्ञान को पीते हैं।

यस्य प्रभा प्रभवतो जगदंडकोटि-
कोटिष्वशेषवसुधादिविभूतिभिन्नम्।
तद्वह्म निष्कलमनन्तमशेषभूतं
गोविन्दमादिपुरुषं तमहं भजामि।।

जिनका दिव्य शारीरिक चमक, जिसे ब्रह्मज्योति के रूप में जाना जाता है, जैसे असीमित, अगाध और सर्वव्यापी है–उन असीमित संख्या में लोकों आदि की सृष्टि के कारण हैं, जिनमें विभिन्न प्रकार की जलवायु और जीवन की दशाएँ हैं, मैं उन आदि भगवान गोविन्द की सेवा करता हूँ।

तस्मै नमो भगवते वासुदेवाय धीमहि।
यन्मायया दुर्जयया मां वदन्ति जगद्गुरूम्।।

मैं उन भगवान् वासुदेव को सादर नमस्कार करता हूँ तथा उनका ध्यान करता हूँ, जिनकी दुर्जन शक्ति द्वारा कम बुद्धिमान वर्ग की मनुष्यों इस तरह प्रभावित होते है कि उनको ही जगतस्वामी कहते हैं।

भूतैर्महद्भिर्य इमाः पुरो विभु–
र्निर्माय शेते यद्मूषु पूरुषः।
भुङ्क्ते गुणान् षोडश पोडशात्मकः
अनादिरादिर्गोविन्दः सर्वकारणकारणं।।

ब्रह्मांड के भीतर लेटकर जो तत्त्वों से निर्मित शरीरों को प्राणमय बनाते हैं और जो अपने पुरुष-अवतार में जीव को भौतिक गुणों के सोलह विभागों के अधीन करते है, जो जीव के जनक रूप है, वे पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान् मेरे प्रवचनों को अलंकृत करने के लिए प्रसन्न हों।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री संजय अग्रवाल कैनल रोड डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्री अमित कुमार शर्मा** वार्ड नं.-२३, डेहरी ऑन-सोन रोहतास, बिहार	**श्री सुमित शर्मा** वार्ड नं.-२३, डेहरी ऑन-सोन रोहतास, बिहार	**श्रीमती पुष्पा देवी शर्मा** वार्ड नं.-२३, डेहरी ऑन-सोन रोहतास, बिहार	**श्री नरोत्तम लाल शर्मा** वार्ड नं.-२३, डेहरी ऑन-सोन रोहतास, बिहार
श्री प्रदीप सुल्तानियाँ मे. टी हाउस चौधरी मार्केट, डेहरी बाजार, बिहार	**श्रीमती स्वेता सुल्तानियाँ** डे कम्पाउंड जोड़ा मंदिर के नजदीक, डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्रीमती नेहा अग्रवाल** कैनल रोड, डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्री समित अग्रवाल** कैनल रोड, डेहरी ऑन-सोन बिहार	**श्री प्रदीप अग्रवाल** कैनल रोड, डेहरी ऑन-सोन बिहार
श्रीमती शोभा अग्रवाल लाला कालोनी, डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** नीलकोठी लेन डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्री ब्रजेश अग्रवाल** लाला कालोनी, डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्रीमती पूजा टिबड़ेवाल** डालमिया नगर, डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार	**श्री संदीप कुमार टिबड़ेवाल** डालमिया नगर, डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार
सुश्री नीलम टिबड़ेवाल डालमिया नगर, डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्रीमती कृष्णा देवी टिबड़ेवाल** डालमिया नगर, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार	**श्री अमित कुमार टिबड़ेवाल** डालमिया नगर, डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार	**श्री अजय कृष्णा अग्रवाल** ए/४, डालमिया नगर, डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार	**श्रीमती राधा शर्मा** न्यु एरिया, औरंगाबाद बिहार
श्रीमती जूही अग्रवाल मे. अग्रवाल स्टोर, एम.जी. रोड, औरंगाबाद, बिहार	**श्री रोशन शर्मा** न्यू एरिया, औरंगाबाद बिहार	**श्रीमती डोली शर्मा** न्यु एरिया, औरंगाबाद बिहार	**श्री राजेश कुमार शर्मा** न्यु एरिया, औरंगाबाद बिहार	**श्रीमती अनुष्का शर्मा** न्यु एरिया, औरंगाबाद बिहार
श्री अमन कुमार शर्मा न्यु एरिया, औरंगाबाद बिहार	**श्रीमती रेखा शर्मा** न्यु एरिया, औरंगाबाद बिहार	**श्री अशोक कुमार शर्मा** न्यु एरिया, औरंगाबाद बिहार	**श्रीमती राज कुमार देवी** मे. ओम सर्विस स्टेशन औरंगाबाद, बिहार	**श्री ओम प्रकाश खेमका** मे. ओम सर्विस स्टेशन औरंगाबाद, बिहार
श्रीमती विनीता खेमका मे. ओम सर्विस स्टेशन औरंगाबाद, बिहार	**श्रीमती मीना खेमका** महाराजगंज रोड, न्यु एरिया औरंगाबाद, बिहार	**श्री राजीव कुमार खेमका** मे. ओम सर्विस स्टेशन औरंगाबाद, बिहार	**सुश्री पलक खेमका** मे. ओम सर्विस स्टेशन औरंगाबाद, बिहार	**श्री चिराग खेमका** मे. ओम सर्विस स्टेशन औरंगाबाद, बिहार
श्री संजीव कुमार खेमका मे. ओम सर्विस स्टेशन औरंगाबाद, बिहार	**श्रीमती नीतू खेमका** मे. ओम सर्विस स्टेशन औरंगाबाद, बिहार	**श्री केशव खेमका** मे. ओम सर्विस स्टेशन औरंगाबाद, बिहार	**श्री सुनिल कुमार खेमका** महाराजगंज रोड औरंगाबाद, बिहार	**श्री सुलभ खेमका** महाराजगंज रोड औरंगाबाद, बिहार
श्रीमती सुरुची खेमका महाराजगंज रोड औरंगाबाद, बिहार	**श्री अनिल कुमार खेमका** महाराजगंज रोड औरंगाबाद, बिहार	**श्रीमती प्रमिला खेमका** महाराजगंज रोड औरंगाबाद, बिहार	**श्री प्रतिक खेमका** महाराजगंज रोड औरंगाबाद, बिहार	**श्रीमती नेहा खेमका** महाराजगंज रोड औरंगाबाद, बिहार
श्रीमती सुनीता सोंथलिया औरंगाबाद बिहार	**श्री संजय कुमार सोंथलिया** मे. अपनी दुकान, दुकान नं.-३६, औरंगाबाद, बिहार	**श्री विनीत कुमार अग्रवाल** मे. अग्रवाल स्टोर, एम.जी. रोड, औरंगाबाद, बिहार	**श्रीमती सरीता अग्रवाल** मे. अग्रवाल स्टोर, एम.जी. रोड, औरंगाबाद, बिहार	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** मे. अग्रवाल स्टोर, एम.जी. रोड, औरंगाबाद, बिहार
श्रीमती उषा अग्रवाल मे. अग्रवाल स्टोर, एम.जी. रोड, औरंगाबाद, बिहार	**श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** मे. अग्रवाल स्टोर, एम.जी. रोड, औरंगाबाद, बिहार	**श्रीमती सोनी अग्रवाल** क्लब रोड, माँ दुर्गा निवास औरंगाबाद, बिहार	**श्रीमती प्रेम लता** क्लब रोड, माँ दुर्गा निवास औरंगाबाद, बिहार	**श्री दिपेन्द्र अग्रवाल** मे. गणपति ड्रेसेज, मीना बाजार, रक्सौल, बिहार
श्री रमेश कुमार भामी मे. सावित्री इलेक्ट्रीक्स जवाहरलाल रोड, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री प्रकाश कुमार अग्रवाल** द्वारा बंगाली बाबा फुड्स सिकन्दरपुर, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** नीलकोठी, वार्ड नं.-३० डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्री कैलाश चंद रूंगटा** नील कोठी, वार्ड नं.-३० डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार	**श्री मोहित रूँगटा** नील कोठी, वार्ड नं.-३० डेहरी ऑन-सोन, रोहतास बिहार
श्री विनोद कुमार शर्मा द्वारा - मनोज सिंह वार्ड नं.-२२, डेहरी ऑन- सोन, बिहार	**श्री सीताराम अग्रवाल** नील कोठी, वार्ड नं.-३० डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार	**श्रीमती माया देवी** सुभाष नगर, स्टेशन रोड, डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्रीमती मेधा डालमिया** न्यु सिदोही, डालमिया नगर, डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्री मदन लाल शर्मा** डी टाईप-७६, डालमिया नगर, डेहरी ऑन-सोन, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री रतन कुमार अग्रवाल स्टेशन रोड, पाली, डालमिया नगर, रोहतास बिहार	**श्री बिजीत हजारिका** स्टेशन रोड, पाली, डालमिया नगर, डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्री बिजय शंकर शर्मा** सुभाष नगर, डेहरी ऑन- सोन, बिहार	**श्री श्याम अग्रवाल** स्टेशन रोड, पाली रोड डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्री निशांत सराफ** न्यु एरिया, डेहरी ऑन-सोन रोहतास, बिहार
श्री श्याम सुन्दर सराफ न्यु एरिया, डेहरी ऑन- सोन, बिहार	**श्री कुणाल सराफ** न्यु एरिया, डेहरी ऑन- सोन, बिहार	**श्रीमती किरण देवी सराफ** न्यु एरिया, डेहरी ऑन- सोन, बिहार	**श्री अनूप कुमार कन्दोई** पाली रोड, डागा पार्क डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्री सुरेश तुलस्यान** कचौड़ी गली, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार
श्रीमती सुमन देवी तुलस्यान कचौड़ी गली, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार	**श्री मनोहर लाल अग्रवाल** द्वारा - राहुल डिस्ट्रीब्युटर डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार	**श्री मधुसुदन शर्मा** गुरुद्वारा गली, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार	**श्रीमती मीणा अग्रवाल** कैनल रोड, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार	**श्री हिमांशु अग्रवाल** कैनल रोड, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार
श्रीमती संगीता देवी ईदगाह मोहल्ला, डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार	**श्री पंकज अग्रवाल** द्वारा - रतन कुमार, स्टेशन रोड, पाली रोड, डेहरी, बिहार	**श्रीमती मंजु चौधरी** सुभाष नगर, वार्ड नं.-१४ डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार	**श्री सुश्री पायल कुमारी** कचौड़ी गली, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार	**श्रीमती द्रौपदी देवी** कचौड़ी गली, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार
श्री राज कुमार तुलस्यान कचौड़ी गली, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार	**श्री रोहित कुमार** कचौड़ी गली, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार	**श्री रतन लाल चौधरी** सुभाष नगर, वार्ड नं.-१४ रोहतास, बिहार	**सुश्री आशिका अग्रवाल** व्यापार मंडल, मेहता पथ डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**सुश्री माही अग्रवाल** व्यापार मंडल, मेहता पथ डेहरी ऑन-सोन , बिहार
श्री हर्षित मित्तल व्यापार मंडल, मेहता पथ डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्री सुनिल अग्रवाल** व्यापार मंडल, मेहता पथ डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्रीमती संध्या अग्रवाल** व्यापार मंडल, मेहता पथ डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्रीमती पूजा देवी** न्यु सिंदौली, डालमिया नगर डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्री शिव कुमार रूँगटा** तिलोक चंद, सुखदेवराम श्रवण बाजार, मुंगेर, बिहार
श्री निर्मल जैन मे. शीतल कुल्फी, दीन दयाल चौक, मुंगेर, बिहार	**श्री श्रवण कुमार बंका** सुता पट्टी, मुजफ्फरपुर बिहार	**श्री रमेश चन्द्र सोंथलिया** सोंथलिया भवन, मेन रोड जय नगर, मधुबनी, बिहार	**श्री अभिषेक ढ़ँढ़नियाँ** वंशीकुंज, भागलपुर बिहार	**श्री गोपाल शर्मा** मे. अर्पित ट्रेडर्स, भागलपुर बिहार
श्री महेन्द्र केडिया सलोनी सूट, चौखण्डी रोड सासाराम, रोहतास, बिहार	**श्री सुनील कुमार सिंघानियाँ** मे. काजीपूरा, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्री पवन पोद्दार** नवरत्न बाजार, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्रीमती पुष्पा पोद्दार** नवरतन बाजार, सासाराम, रोहतास, बिहार	**श्री रवि सिंघानिया** मो. काजीपुरा, सासाराम रोहतास, बिहार
श्रीमती ब्युटी सिंघानियाँ मो. काजीपुरा, सासाराम रोहतास, बिहार	**सुश्री मुस्कान पोद्दार** मो. काजीपुरा, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्रीमती जागृती पोद्दार** मो. काजीपुरा, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्रीमती शारदा देवी** नवरतन बजार, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्रीमती प्रीति चमड़िया** किला मोहल्ला, सासाराम बिहार
श्रीमती नीलम देवी काजीपुरा मोहल्ला, रोहतास सासाराम, बिहार	**श्री मनोज केडिया** कबीरगंज, चौखण्डी रोड सासाराम, रोहतास, बिहार	**श्री ज्ञान कुमार पोद्दार** नवरतन बाजार, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्रीमती खुशी जोशी** सोनार टोली, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्रीमती रेणु पोद्दार** नवरतन बाजार, सासाराम रोहतास, बिहार
श्री कमल कुमार सिंघानियाँ काजीपुरा, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्रीमती आशा देवी** सोनार टोली, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्री राजेश कुमार भार्गव** सोनार टोली, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्री रोहित पोद्दार** नवरतन बाजार, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्री रितेश पोद्दार** नवरतन बाजार, सासाराम रोहतास, बिहार
श्रीमती प्रीति केडिया कबीरगंज, धर्मशाला रोड के नजदीक, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्रीमती किरण टेकरीवाल** राधेश्याम टेकरीवाल धर्मशाला रोड, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्रीमती सुमन केडिया** चौखण्डी, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्रीमती मीणा केडिया** 'सहेली' धर्मशाला रोड सासाराम, रोहतास, बिहार	**श्री चंदन टिबड़ेवाल** नवरतन पुरा, काजीपुरा सासाराम, रोहतास, बिहार
श्री संजय सिंघानियाँ काजीपुरा, सासाराम, रोहतास, बिहार	**श्रीमती किरण सिंघानियाँ** काजीपुरा, सासाराम, रोहतास, बिहार	**श्री अंकित सिंघानियाँ** काजीपुरा, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्रीमती आशा सिंघानियाँ** काजीपुरा, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्री संतोष सिंघानिया** काजीपुरा, सासाराम रोहतास, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री रितेष चमड़िया किला मोहल्ला, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्रीमती प्रीति चमड़िया** किला मोहल्ला, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्रीमती सीमा पोद्दार** नवरतन बाजार, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्री चंदन कुमार टिबड़ेवाल** नवरतन बाजार, काजीपुरा सासाराम, रोहतास, बिहार	**श्रीमती सरीता टिबड़ेवाल** नवरतन बाजार, काजीपुरा सासाराम, रोहतास, बिहार
श्री पुरुषोत्तम टिबड़ेवाल नवरतन बाजार, काजीपुरा सासाराम, रोहतास, बिहार	**श्री सोनु कुमार टिबड़ेवाल** नवरतन बाजार, काजीपुरा सासाराम, रोहतास, बिहार	**श्रीमती मीरा केडिया** मे. महेन्द्र कटपिस हाउस सासाराम, रोहतास, बिहार	**श्री अशोक कुमार केडिया** मे. महेन्द्र कटपिस हाउस सासाराम, बिहार	**श्री भोला सिंघानियाँ** काजीपुरा, सासाराम, रोहतास, बिहार
श्री विश्वनाथ प्रसाद सिंघानियाँ काजीपुरा, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्रीमती शारदा देवी** काजीपुरा, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्री काशी प्रसाद सिंघानियाँ** काजीपुरा, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्रीमती प्रेमा देवी** काजीपुरा, सासाराम रोहतास, बिहार	**श्रीमती रश्मि मिश्रा** पानी टकी, गली नं.-४ सासाराम, रोहतास, बिहार
श्रीमती किरण कन्दोई डागा पार्क, पाली रोड डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्री ऋषि कुमार अग्रवाल** स्टेशन रोड, पाली रोड डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार	**श्रीमती मोनी चमड़िया** पाली रोड, डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार	**श्रीमती जूली अग्रवाल** गुरुद्वारा गली, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार	**श्रीमती अंजु अग्रवाल** मे. विनायका साड़ी सेन्टर डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार
श्रीमती अंजु देवी नील कोठी, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार	**श्री पवन मेहरीवाल** नील कोठी, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार	**श्री अमित सराफ** झंवरमल गली, डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार	**श्री अनुप सराफ** झंवरमल गली, डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार	**श्री सिद्धार्थ कुमार डागा** पाली रोड, डेहरी ऑन- सोन, बिहार
श्रीमती ममता डागा पाली रोड, डेहरी ऑन- सोन, बिहार	**श्री गौतम कुमार डागा** पाली रोड, डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्रीमती प्रियंका डागा** पाली रोड, डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्रीमती मंजु डागा** पाली रोड, डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्री निर्मल कुमार डागा** पाली रोड, डेहरी ऑन- सोन, बिहार
श्रीमती प्रीति सराफ झंवरमल गली, डेहरी ऑन- सोन, बिहार	**श्री अतुल सराफ** झंवरमल गली, डेहरी ऑन- सोन, बिहार	**श्री विकास सराफ** झंवरमल गली, डेहरी ऑन- सोन, बिहार	**श्री अजय सराफ** झंवरमल गली, डेहरी ऑन- सोन, बिहार	**श्रीमती सुमन सराफ** झंवरमल गली, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार
श्री अमन कुमार पाली रोड, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार	**श्रीमती कुसुम देवी** पाली रोड, डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार	**श्री कृष्णा अग्रवाल** न्यु सिंधौली, डालमिया नगर डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार	**श्रीमती संगीता अग्रवाल** न्यु सिंधौली, डालमिया नगर डेहरी ऑन-सोन, रोहतास बिहार	**श्री विकास कुमार पंसारी** नवहाटा, डाल्टनगंज पलामू, बिहार
श्री के. के. डागा पाली रोड, डेहरी ऑन- सोन, बिहार	**श्रीमती रेणु डागा** पाली रोड, डेहरी ऑन-सोन बिहार	**सुश्री कोमल अग्रवाल** न्यु सिंधौली, डालमिया नगर, डेहरी ऑन-सोन, बिहार	**श्रीमती शशि डालमिया** धर्मराज भवन मार्केट पाली रोड, डेहरी ऑन-सोन बिहार	**श्री प्रतीक डालमिया** धर्मराज भवन मार्केट पाली रोड, डेहरी ऑन- सोन, बिहार
श्री कमल किशोर डालमिया धर्मराज भवन मार्केट पाली रोड, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार	**श्री बिहारी लाल शर्मा** स्टेशन रोड, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार	**श्री गोपाल लाल पोद्दार** सदर चौक, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार	**श्रीमती नीलू देवी** सदर चौक, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार	**श्री बनवारी लाल अग्रवाल** पाली रोड, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार
श्रीमती रिता अग्रवाल पाली रोड, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार	**श्रीमती विजेता अग्रवाल** पाली रोड, डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार	**श्री दीपक अग्रवाल** पाली रोड, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार	**श्रीमती लक्ष्मी शर्मा** सुभाष नगर, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार	**श्रीमती पुजा अग्रवाल** पाली रोड, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार
श्रीमती मंजु देवी पाली रोड, डेहरी ऑन- सोन, रोहतास, बिहार	**श्री अरुण प्रसाद अग्रवाल** पाली रोड, डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार	**श्रीमती सुमन गनोरिया** स्टेशन रोड, सुभाष नगर डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार	**श्री दिलीप कुमार गनोरिया** स्टेशन रोड, सुभाष नगर डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार	**श्रीमती माया गोयनका** डी/३५, डालमिया नगर डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार
श्री मुरारी लाल झुनझुनवाला डागा पार्क, पाली रोड डेहरी ऑन-सोन, रोहतास बिहार	**श्रीमती लक्ष्मी झुनझुनवाला** डागा पार्क, पाली रोड डेहरी ऑन-सोन, रोहतास बिहार	**श्रीमती सुमन सुल्तानियाँ** मेहरा कैम्पस, पाली रोड डेहरी ऑन-सोन, रोहतास बिहार	**श्रीमती नवीता शर्मा** नारायणी स्वीट्स के नजदीक, पाली रोड, डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार	**श्री ज्ञान शर्मा** नारायणी स्वीट्स के नजदीक, पाली रोड, डेहरी ऑन-सोन, रोहतास, बिहार

IISD Edu World
Be a Leader...

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically" — Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100% Quality Education at most affordable fees

Hospitality

Hospitality Management & Culinary Arts

Newly Introduced

BTED – HND in Hospitality Management

awarded by EDEXCEL, UK (A Pearson Global Education Undertaking)

Language School

- Functional English
- Spanish
- Russian
- Chinese
- French
- Hindi
- SANSKRIT
- Spoken English
- Italian
- German
- Persian
- Bahasa (Indonesia)
- Bengali

Assistance for placement

- Complementary Spoken English
- Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes
- AC Classrooms
- P G Accommodation

Centre for Administrative Services / WBCS

Course Director: Dr.Bikram Sarkar (IAS retd.)

- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)

Health Care

Preparatory course for Joint Entrance of MD/MS, DNB and MRCP (Part-I) Medicine

"Family Medicine Certificate Course (First Aid)

Business School

- AIMA recognized PGDM (2Yrs.)
- Tally ERP 9+GST
- Company Secretaryship
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance

Skills

- Web Technology
- Certificate course on Theology
- Soft Skills
- Vocational & Technical Training
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Certificate Course on Computer Applications
- School Guide
- Bachelor Guide

IISD EDU World

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in ● Website : www.iisdedu.in

18, Ballygunge Circular Road, Kolkata-700019
Website : www.iisdeduworld.com
Email : iisdedu@gmail.com
Ph : 46001626 / 27

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

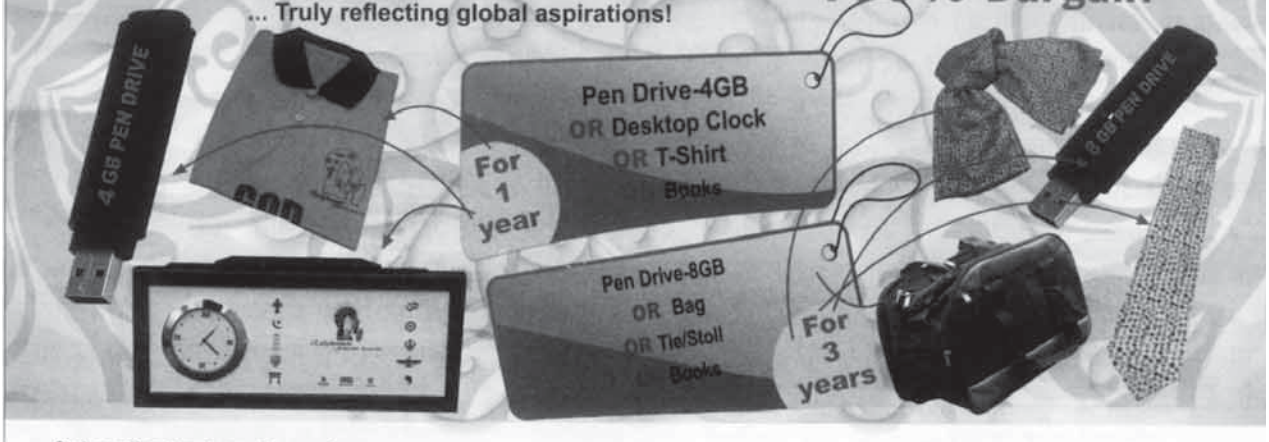

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐ 8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics — Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District : _____

State : _____ Country : _____ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai** : Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima** : Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYPRELAM®
CENTURYMDF®
CENTURYDOORS™

zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE™
NEW AGE PANELS

SAINIK
PLYWOOD
HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**
E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

TUBEROSE

Kolkata's leading stevedoring and shipping logistics company

Areas of expertise include -

MANAGEMENT OF PULSES

BARGING

STEVEDORING

SHORE AND PORT EQUIPMENTS

STEAMER AGENCY

VARIED LOGISTICS AND SHIPPING EXPERIENCE

TUBEROSE LOGISTICS PVT LTD | 3B CAMAC STREET | KOLKATA 700016 | 9830261566 / operations@tuberoselogistics.com

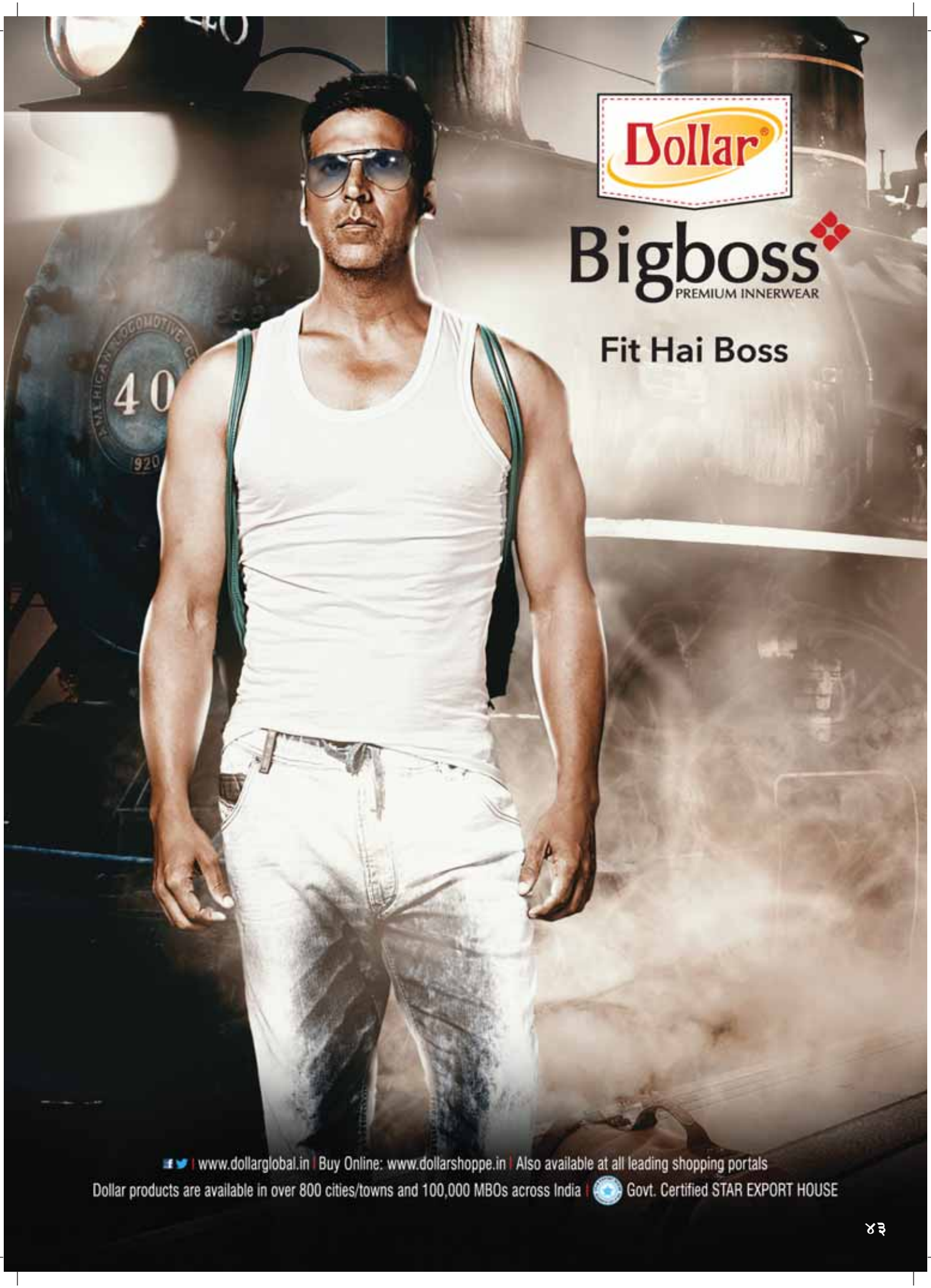
Dollar
Bigboss
PREMIUM INNERWEAR
Fit Hai Boss
www.dollarglobal.in | Buy Online: www.dollarshoppe.in | Also available at all leading shopping portals
Dollar products are available in over 800 cities/towns and 100,000 MBOs across India | Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2018-2020
Date of Publication - 31st August 2019
RNI Regd. No. 2866/1968

LIFE BEGINS AT 60!

JAGRITI DHAM

KOLKATA'S MOST COMPREHENSIVE HOME FOR SENIOR LIVING

Yoga & meditation

Wellness spa

Indoor games

Outdoor activities

COMFORTS & CONVENIENCES
- Furnished and fully-serviced AC rooms
- Attached toilet, pantry and balcony
- Housekeeping and maintenance on call
- Wi-fi, Intercom

Privilege access to IBIZA Club

24 x 7 Medical care

Mandir

Safety and Security

SENIOR-FRIENDLY
- Wheel chair and walker-enabled spaces and ramps
- Spacious lifts to accommodate stretchers
- Specially designed bathrooms with wheel chair-accessible showers

- Inside Merlin Greens complex
- Adjacent to Ibiza on Diamond Harbour Road
- Near Bharat Sevasram Hospital and Swaminarayan Dham Temple
- 5 kms from Nature Cure and Yoga Research Institute

SECURITY
- 24 hours manned gate with intercom
- Electronic surveillance, CCTV
- Power back-up

HEALTHCARE
- 24x7 ambulance, attendant
- Visiting doctors, specialists-on-call
- Emergency button in every room and frequently occupied areas
- Tie-ups with the city's best nursing homes and hospitals

SAFETY ACTIVITY COMMUNITY SPIRITUALITY

Supported by infinity

Jagriti Dham, Merlin Greens, IBIZA Club, Diamond Harbour Road, Pin 743 503
contact@jagritidham.com | www.jagritidham.com | 88 200 22022

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com